RNI.NO. MPHIN/2012/42537

दैनिक
दीन बन्धु

भोपाल, मंगलवार
08.07.2025
वर्ष : 13
अंक : 199
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

सूबे में बारिश का कहर

खतरे के निशान के करीब नर्मदा का जलस्तर

लगातार बारिश से बालाघाट-कटनी समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, भोपाल में भी हुई रूक-रूक कर तेज बारिश

भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बालाघाट, मंडला, इटारसी और कटनी समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए है। भोपाल में दिनभर रुक-रुककर कभी तेज, कभी रिमझिम बारिश हो रही है। इस वजह से शहर के कई इलाकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। भोपाल के एमपी नगर थाने से नर्मदापुरम रोड तक करीब 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। कटनी में एक युवक नदी में बह गया। नर्मदापुरम के इटारसी में जीआरपी थाना, बाजारों और कुछ कॉलोनियों के घरों में पानी घुस गया। मंदसौर के भानपुर में राजस्थान के कोटा से पिकनिक मनाने आए दो युवकों की गांधी सागर डैम में डूबने से मौत हो गई।

मंडला में पिछले 24 घंटे में हुई भारी बारिश से नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेबल क्रॉस कर 437.40 मीटर पर पहुंच गया है। माहिष्मती घाट स्थित छोटा पुल फिर डूब गया है। साथ ही मटियारी, सुरपन, बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। जबलपुर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट और अनूपपुर में स्कूलों और आंगनबाड़ियों की छुट्टी कर दी गई है। डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया है। तीन साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सड़क बनी थी। सड़क टूटने से इस रास्ते पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। सीहोर जिले के पार्वती और पपनाश नदी भारी बारिश के चलते उफान पर हैं। पार्वती नदी पर हादसा होते-होते बचा।

भोपाल में करीब तीन किलोमीटर लंबा जान

भोपाल में रुक-रुककर कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश का दौर जारी है। शाम को भी तेज पानी गिरा। जिसके बाद एमपी नगर जोन-1 से लेकर जीजी फ्लाईओवर और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने तक ट्रैफिक जाम हो गया। एमपी नगर थाने से लेकर नर्मदापुरम रोड तक करीब 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिसमें हजारों वाहन रेंगते नजर आए। फ्लाईओवर पर जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी नजर आई। राहगीरों के साथ-साथ ऑफिस टाइम में लौट रहे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मंडला में स्कूलों पर ताला, आंगनवाड़ी केंद्र भी बंद

मंडला जिले में हालात को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने 7 और 8 जुलाई को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है. इसके अलावा जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को 10 जुलाई तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है. जिले में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश दर्ज की गई है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. वहीं उमरिया जिले में लगातार हो रही बारिश से जोहिला डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। प्रशासन ने एहतियातन डैम के चार गेट खोल दिए हैं. बीते 9 घंटों में जिले में 3.5 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है.

अनूपपुर के सभी स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित

अनूपपुर के सभी स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित किया गया है. अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने लगातार बारिश और अप्रिय घटनाओं को देखते हुए एहतियातन यह फैसला लिया. किसी भी आपात स्थिति से बचाव के लिए आदेश जारी किया गया. इस दौरान पढ़ाई पर असर न पड़े, इसके लिए छुट्टी की भरपाई अतिरिक्त कक्षाओं से की जाएगी.

प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण पर रोक, हाईकोर्ट ने कहा-नए नियम लागू नहीं कर सकते

जबलपुर ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण पर फिलहाल रोक लगा दी है। सोमवार को पदोन्नति के नए नियमों को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पुराने नियम (2002) और नए नियम (2025) में क्या फर्क है? सरकार इसका कोई साफ जवाब नहीं दे पाई। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसी स्थिति में नए नियमों को लागू नहीं किया जा सकता। अब अगली सुनवाई 15 जुलाई (मंगलवार) को होगी। तब तक सरकार नियमों का अंतर समझकर अदालत को बताए। संघ की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए सरकार नए नियमों के तहत फिलहाल प्रमोशन में आरक्षण नहीं दे सकती। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस और जजों की बेंच ने सरकार से यह भी सवाल किया कि जब पदोन्नति का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो फिर सरकार ने नए नियम क्यों बनाए? क्या पहले सुप्रीम कोर्ट से पुराना मामला वापस नहीं लेना चाहिए था? राज्य सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पेश हुए, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं कर सके कि 2002 और 2025 के नियमों में असली फर्क क्या है।

सीएम यादव ने लुधियाना में वन-टू-वन चर्चा में 15 से अधिक उद्योगपतियों से किया संवाद

इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री यादव

लुधियाना और पंजाब के निवेशकों को मध्यप्रदेश में किया आमंत्रित

श्रमिकों के हित में मध्यप्रदेश सरकार ने बड़े स्तर पर लंबित सेटलमेंट किये क्लियर

लुधियाना ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पंजाब के लुधियाना में उद्योगपतियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा- वैसे मेरा डबल रोल है। मप्र के उद्योग मंत्री का काम भी मेरे पास है और मुख्यमंत्री भी मैं ही हूं। ये आप सभी से सरलता से बात करने के लिए ही है।

पंजाब की साइकिल मप्र में बन सकती है

सीएम ने कहा- सर्दी आने वाली है, गर्मी लुधियाना ही लाता है। हम भी कभी स्वेटर लाते थे तो ओसवाल का ही ऊन लाते थे। दूसरा तो हमारे लिए मुश्किल होता था। हमारी सरकार ने कई योजनाएं शुरू कीं। जैसे स्कूल जाने वाले बच्चे को 6वीं और 9वीं के बाद 4 किलोमीटर से दूर उसका घर है तो सरकार साइकिल देगी।

सीएम बोले- उद्योगपति गरीबों का घर पालते हैं

सीएम ने कहा- उद्योगपति केवल अपने लिए इंडस्ट्री नहीं चलाते, आपके माध्यम से लोगों का पेट पलता है। गरीबों की जिंदगी में उजाला आता है। ये बहुत बड़ा पवित्र काम आपके माध्यम से होता है। मप्र से आपको बुलावा आया है, एक घर मप्र में ही बनाना है एक यहां रखना है। मप्र में भी फैक्ट्री लगाना है एक काम यहां भी रखना है। सीएम ने कहा- पंजाब में एक क्षेत्र मालवा है। यहां के मालवा और एमपी के मालवा को मिलकर आनंद का वातावरण दिया था। वो हजारों साल के इतिहास के आधार पर हम जुड़े हैं। माल वाले के पास मालवा होता है। माल वाले या तो पंजाब में यो एमपी में हैं।

एमपी और पंजाब बिछड़े हुए सगे भाई हैं...

सीएम ने कहा- लुधियाना का इतिहास सिंधु घाटी की सभ्यता के पहले शुरू हो गया था। यहां के लोगों ने ईरान के आगे तक उद्योग, व्यापार में अपनी पहचान बनाई। आजादी के बाद साइकिल बनाने में पहचान बनाई। मध्यप्रदेश और पंजाब बिछड़े हुए सगे भाई हैं, क्योंकि पंजाब और मध्यप्रदेश का गेहूं किसी से कम नहीं है। पंजाब बड़ा भाई है तो मप्र छोटा भाई। हमें मिलकर काम करने की आदत है। यहां ऐसे उद्योगपति बैठे हुए हैं जो मप्र और यहां पहले से काम कर रहे हैं। पंजाब गुरु परंपरा की धरती है। खुश हो जाए तो प्राण दे दे और दुश्मनी हो जाए तो जमीन में गाड़ दे।

तहव्वुर राणा ने कबूला 26/11 आतंकी हमले के वक्त वह मुंबई में ही था

मुंबई ■ एजेंसी

यह बात उसने NIA की पूछताछ में कबूल की है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा NIA की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9

जुलाई तक बढ़ा दिया है। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी FBI ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। राणा ने पूछताछ में बताया कि मुंबई में उसने अपनी कंपनी का इमिग्रेशन सेंटर खुद के प्लान से खोला, ताकि हमले की तैयारी के लिए जगह और सुविधाएं मिल सकें।

तुर्कि को बड़ा झटका! सेलेबी कंपनी की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली। सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है. सेलेबी की ओर से ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी. दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा सरकार का फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है. ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार ने भारत मे काम कर रही तुर्किए की कंपनी सेलेबी एविएशन होल्डिंग की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दिया था. इस मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में 21 मई को सेलेबी कंपनी ने दलील दी कि भारत सरकार का यह फैसला न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है.

ब्रिक्स से प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा संदेश, दो सुपरपावर पर निशाना?

अपने महत्वपूर्ण संसाधनों को न बनने दें हथियार

ब्रिक्स ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि इस समूह के देशों को महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए औरा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने स्वार्थी लाभ के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न कर सकें। बहुपक्षवाद, वित्तीय मामलों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित सत्र में अपने संबोधन में मोदी ने पारदर्शिता बनाए रखने और दुरुपयोग को रोकने के वास्ते एआई के उपयोग के लिए वैश्विक मानक बनाने का भी आह्वान किया। महत्वपूर्ण

खनिजों पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी, इन महत्वपूर्ण संसाधनों के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों तथा इस क्षेत्र में उसकी अपारदर्शी नीतियों को लेकर वैश्विक स्तर पर जताई जा रही चिंता के बीच आई है। दूसरी तरफ, अमेरिका भी इस तरह के खनिजों की होड़ में जुटा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने स्वार्थ के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न करे। लिथियम, निकल और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), ड्रोन और बैटरी भंडारण सहित उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। चीन वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में मोदी ने कहा कि इससे रोजमर्रा की जिंदगी में काफी सुधार आ सकता है।

उपराष्ट्रपति बोले- जस्टिस वर्मा केस में तुरंत एफआईआर की जरूरत, कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत स्नढ्ढक्र की बात कही। उन्होंने कहा- यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है। इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरुआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर स्नढ्ढक्रदर्ज नहीं की जा सकती है। धनखड़ ने नेशनल एडवांस्ड लीगल स्टडीज (ह्वस्न) यूनिवर्सिटी के सेमिनार में ये बातें कहीं। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के

स्टोर रूम में 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। इसके बाद से ये सवाल खड़ा हुआ कि इतना कैश कहां से आया। मैं न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करता हूं। जजों को सुरक्षा प्रदान करना जरूरी है क्योंकि वे जटिल परिस्थितियों में काम करते हैं। लेकिन जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो हमें सच का सामना करना होगा। उन्होंने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले नकदी का हवाला दिया।

वीरास्वामी फैसले पर हो पुनर्विचार

धनखड़ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 1991 में आए के वीरास्वामी फैसले पर फिर से विचार करने का वक्त आ गया है, जिसमें कहा गया था कि शीर्ष अदालत व हाईकोर्ट के जजों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व अनुमति की जरूरत होगी। इस फैसले ने जवाबदेही और पारदर्शिता की हर कोशिश को निष्प्रभावी करते हुए, दंडमुक्ति का ढांचा खड़ा कर दिया। अब समय आ गया है कि इसमें बदलाव हो। मुझे भरोसा है कि मौजूदा सुप्रीम कोर्ट, जो प्रतिष्ठित, ईमानदार लोगों से बना है, यह बदलाव करेगा। मौजूदा मुख्य न्यायाधीश ने बहुत कम समय में ऐसा भरोसा जगाया है,

गुरु का आसन नहीं गुरु के अनुशासन का जीवन में अनुसरण करो : प्रदीप मिश्रा

सीहोर ■ ब्यूरो

गुरु कभी किसी का बुरा नहीं चाहता हैं। गुरु का अनुशासन सदैव हितकारी होता है। गुरु का अनुशासन जीवन में रहे तो उसे चमकदार बना देता है। गुरु जो कहे, वह धारण, पालन और अनुसरण करें, ऐसा शिष्य ही अपना आत्मकल्याण कर सकता है। वर्तमान में शिष्य और चेले गुरु के अनुशासन के अनुसरण को छोड़कर गुरु के आसन और सिहासन की ओर नजर लगाए होते है, इसलिए सफल नहीं हो पाते है। अगर विश्वास और आस्था के साथ गुरु के एक शब्द का भी संबंध में आपके दिल और दिमाग से हो गया

तो आपका जीवन सफल हो सकता है। उक्त विचार जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर जारी छह दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत श्री गुरु शिव महापुराण के तीसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे। उन्होंने कहाकि एक स्त्री का सबसे बड़ा गुरु उसका पति रहता है, जो उसकी रक्षा भी करता है और सही उपदेश भी देता है। स्त्री को अपने पति के मार्गदर्शन में चलने की बात कही है। सोमवार को पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि गुरु के आसन का नहीं, गुरु के अनुशासन का अनुसरण करना चाहिए। इसका मतलब है कि हमें गुरु के उपदेशों को सुनना चाहिए, उनका पालन करना चाहिए और अपने जीवन में अनुशासन बनाए रखना चाहिए। गुरु का अनुशासन, या गुरु के मार्गदर्शन में अनुशासन, एक शिष्य के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। गुरु एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जो शिष्यों को सही रास्ते पर चलने और जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं।

ब्रीफ न्यूज

बिहार के पूर्णिया में परिवार के पांच लोगों की हत्या

पटना। लाशें घर से डेढ़ किलोमीटर दूर तालाब में मिलीं। जिन्हें जलाने के बाद अलग-अलग बोरों में भरकर जलकुंभियों के बीच छिपाया गया था। सभी शव 80 फीसदी से ज्यादा जल चुके हैं। मृतकों में बाबू लाल उरांव, उनकी पत्नी, मां, बहू और बेटा शामिल है। पुलिस के अनुसार, परिवार झाड़-फूंक करता था। 3 दिन पहले गांव में एक बच्चे की मौत हो गई। गांव वालों ने अंधविश्वास में इस हत्याकांड को अंजाम दिया। बाबूलाल के बेटे सोनू ने बताया कि मेरे सामने ही पूरे परिवार को मारा गया है। रविवार की रात 10 बजे अचानक 50 लोग घर पर आ गए और मेरी मां सीता देवी को डायन बताकर बांस के पीटने लगे। उन लोगों ने मेरे परिवार को पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी नकुल ने कहा- मारपीट के बाद डीजल छिड़कर पांचों को जिंदा जलाया था।

राज ठाकरे को भाजपा सांसद निशिकांत की धमकी

नई दिल्ली। निशिकांत दुबे ने कहा- हम मराठी का सम्मान करते हैं, लेकिन अराजकता नहीं चलेगी। महाराष्ट्र के भाषा विवाद में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा, आप अपने घर महाराष्ट्र में अगर बहुत बड़े बॉस हो तो चलो बिहार, चलो यूपी, चलो तमिलनाडु, तुमको पटक-पटक कर मारेंगे। उन्होंने न्यूज एजेंसी ANI से कहा, अगर आपमें ज्यादा हिम्मत है, आप हिंदी भाषी को मारते हैं तो उर्दू भाषी, तमिल, तेलुगु को भी मारो। आप ये घटिया हरकत कर रहे हो। भाजपा सांसद दुबे ने यह जवाब राज ठाकरे के उस बयान पर दिया, जिसमें राज ने कहा था- मराठी ना बोलने पर मारो, लेकिन वीडियो मत बनाओ। दरगाह के पास उर्दू भाषी को पीटकर दिखाओ दुबे ने कहा- ये अराजकता नहीं चलेगी।

पंजाब में सवारियों से भरी बस पलटी, 8 लोगों की मौत

होशियारपुर. पंजाब के होशियारपुर जिले में सोमवार सुबह 10 बजे यात्रियों से भरी एक बस सामने से आ रही कार से टकरा गई। इसके बाद बस बेकाबू होकर बीच सड़क पर ही पलट गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 17 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में कुल 39 यात्री सवार थे। मरने वालों में मां और बेटी भी शामिल हैं। जिनकी पहचान रज्जू बाला बेटी अशरफ अली और मीना पत्नी अशरफ अली निवासी बुड्ढा मल के रूप में हुई है। यह हादसा दसूहा-हाजीपुर रोड पर अड्डा सगरां के पास हुआ। हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार को सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे। मौके से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद 7 से ज्यादा लोगों को गंभीर हालत में अमृतसर रेफर किया गया।

भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, डायरेक्टर को भेजा ई-मेल

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकीभरा ईमेल मिलते ही सनसनी फैल गई। ये ईमेल रविवार को एयरपोर्ट डायरेक्टर को भेजा गया। इसमें बताया गया कि एयरपोर्ट परिसर में विस्फोटक उपकरण लगाए गए हैं और किसी भी वक्त विस्फोट कर एयरपोर्ट को उड़ा दिया जा सकता है। बता दें कि बीते कुछ महीनों से लगातार भोपाल में अलग-अलग जगह बम उड़ाने की धमकी मिल रही है। ये चौथी धमकी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने भोपाल के गांधीनगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और विमानन सुरक्षा नियमों के तहत आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है।

ब्रीफ न्यूज़

बर्थडे पार्टी में बीएचएमएस छात्रा से क्लासमेट ने बंधक बनाकर किया रेप

भोपाल। रातीबड़ थाना इलाके में बीएचएमएस छात्रा के साथ उसके क्लासमेट द्वारा बर्थडे पार्टी में बुलाकर घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर

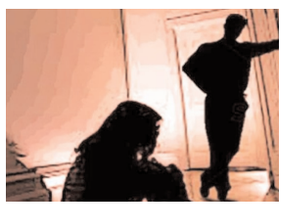

पुलिस ने मामला कायम कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, 19 वर्षीय पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूल रूप से नागपुर की रहने वाली है। थाना इलाके के एक प्राइवेट कॉलेज से बीएचएमएस प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। आरोपी युवक उसका क्लासमेट है, और उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। कॉलेज में ही दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। करीब 10 महीने पहले आरोपी ने पीड़िता को बर्थडे पार्टी के बहाने अपने किराए के कमरे में बुलाया। पीड़िता जब वहॉ पहुंची तब आरोपी ने उसे बंधक बनाकर जबर्दस्ती उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। बाद में आरोपी ने घटना के संबंध में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने उसे बदनाम करने की धमकी देकर अलग-अलग स्थान पर ले जाकर उसके साथ कई और बार ज्यादती की। कई बार दुष्कर्म करने के बाद भी आरोपी लगातार उसे धमकाते हुए शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाता था। उसकी धमकियों और शोषण से तंग आकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर उसके खिलाफ शिकायत कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बच्चो को पढ़ाने के लिये घर आने वाले होम ट्यूटर ने महिला से किया दुष्कर्म

भोपाल। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में बच्चो को पढ़ाने के लिये घर आने वाले एक होम ट्यूटर युवक ने पहले तो चोरी छिपे महिला के आपत्तिजनक फोटो अपने मोबाइल से खींच लिए। इसके बाद

इन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। बाद में आरोपी ने इन पर्सनल फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। इसके बाद पीड़िता पुलिस के पास पहुंची जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना पुलिस के मुताबिक इलाके में अपने पति व बच्चों के साथ रहने वाली 35 वर्षीय विवाहिता ने अपनी शिकायत में बताया की वह घरेलू महिला है। आरोपी शहादत मिर्जा नाम का युवक होम ट्यूटर है वह उसके बच्चों को पढ़ाने के लिए घर आता था। बीते महीने शहादत ने छिपकर उसके आपत्तिजनक फोटो अपने मोबाइल से खींच लिए। इसके बाद आरोपी ने धमकी दी की यदि उसने उसका कहना नहीं माना तो वह इन अश्लील फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। समाज में परिवार की बदनामी से वह डर गई, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने उसका शारीरिक शोषण किया। इसके बाद आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करते हुए कई बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने 30 जून को भी आखरी बार महिला का शारीरिक शोषण किया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि कई बार रेप दुष्कर्म के बाद आरोपी उससे पैसा देने की मांग करने लगा। उसकी ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आखिर पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए उसकी सारी करतूत पति को बताई और थाने पहुंचकर मामला दर्ज करा दिया। प्रकरण दर्ज कर पुलिस आरोपी शहादत मिर्जा की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

रुडसेट संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने किया पौधारोपण

भोपाल। रुडसेट संस्थान भोपाल, श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित संस्थान है। जिसमें युवाओं के लिये स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। रुडसेट संस्थान द्वारा केनरा बैंक के 120 वे स्थापना दिवस के अवसर पर बर्राई स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क में पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें निदेशक श्री तमन कुमार डोहले सहित समस्त स्टाफ एवं 80 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक करें पूर्ण: कलेक्टर

सभी एसडीएम को जर्जर भवनों,विद्यालयों व आंगनवाड़ी केन्द्रों का करें निरीक्षण

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की। बैठक में एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल, श्री प्रकाश नायक, श्री अंकुर मेश्राम, सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही एवं ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी को अपने दायित्व का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करना होगा। कलेक्टर श्री सिंह ने खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि अमानक खाद एवं कालाबाजारी पर दंडात्मक

कार्यवाही की जाए, ताकि किसान हितों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कृषि संबंधी जानकारी लेते हुए मूंग दाल की खरीदी, धान एवं सोयाबीन की बोनी की प्रगति की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जर्जर भवनों, विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक मरम्मत अथवा निष्कासन की कार्यवाही शीघ्र की जाए। साथ ही पुल-पुलियों एवं जल संरचनाओं पर जल निकासी की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे संभावित आपदाओं से पूर्व नियंत्रणात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम एवं जिला पंचायत को वृक्षारोपण के लक्ष्यों की पूर्ति युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सहभागिता से संचालित एक हरित क्रांति है। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यह जनविश्वास से जुड़ा विषय है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारे के प्रकरणों का विशेष अभियान चलाकर आगामी 7 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में समग्र ई-केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री एवं एपीसी बैठक में प्राप्त लक्ष्यों में प्रगति लाने पर बल दिया गया। श्री सिंह ने संबंधित विभागों को लक्ष्य निर्धारण कर पूर्व से ही ठोस कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने वृहद स्तर पर अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने और खाद्य विभाग को फूड सेफ्टी से संबंधित गतिविधियों को तेज गति से संचालित करने के निर्देश भी दिए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया कपूर्रीग्राम स्टेशन के उन्नयन कार्य का शिलान्यास

दीघा ब्रिज हॉल्ट का निरीक्षण तथा 17.30 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

दीनबन्धु, जबलपुर।
dinbandhunews.com

केंद्र सरकार द्वारा बिहार की रेलवे संरचना को आधुनिक और सुविधा-सम्पन्न बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज भारत सरकार में रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के कैबिनेट मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार के समस्तीपुर मंडल स्थित कपूर्रीग्राम स्टेशन परिसर में कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने सबसे पहले दीघा ब्रिज हॉल्ट का निरीक्षण कर वहां यात्री सुविधा, संरक्षा, साफ-सफाई, प्लेटफॉर्म की स्थिति, पेयजल, रोशनी एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित रेल अनुभव प्रदान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके उपरांत रेल मंत्री ने कपूर्रीग्राम स्टेशन परिसर में ?3.30 करोड़ की लागत से होने वाले स्टेशन

उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत स्टेशन भवन का आधुनिकीकरण, प्रतीक्षालय, शौचालय, डिजिटल सूचना प्रणाली, पेयजल सुविधा, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प एवं अन्य यात्री सुविधा कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कपूर्रीग्राम स्टेशन पर यात्री सुविधा से जुड़ी कई नवनिर्मित सुविधाओं का उद्घाटन भी किया। रेल मंत्री श्री वैष्णव ने इसके पश्चात कपूर्रीग्राम और खुदीराम बोस पूसा स्टेशनों के बीच स्थित समपार फाटक संख्या 59 'उ' पर ?14.0 करोड़ की लागत से बनने वाले अंडरग्राउंड रेलवे सब-वे के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि यह अंडरग्राउंड रेलवे सब-वे के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद स्थानीय वाहन यातायात को बड़ी राहत देगा और ट्रेनों की सुचारू आवाजाही में भी मदद मिलेगी, जिससे संरक्षा में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे द्वारा 33,000 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं, जो पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में कई गुना अधिक है। यह कार्य न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति देता है। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार बिहार जैसे राज्यों को विकसित भारत की परिकल्पना में भागीदार बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राज्य मंत्री (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय) श्री रामनाथ ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, रेलवे अधिकारी, और बड़ी संख्या में आम नागरिकों की उपस्थिति रही।

तीसरी कक्षा के छात्र की खेलते समय करंट लगने से मौत

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

देहात क्षेत्र के ईटखेड़ी थाना इलाके में घर में खेलते समय करंट लगने से तीसरी कक्षा के छात्र की मौत हो जाने की दर्दनाक घटना सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जॉच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ईटखेड़ी लांबाखेड़ा का रहने वाला 11 साल का ओम अहिरवार (11) एक निजी स्कूल से तीसरी कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। परिवार में मां-पिता के अलावा एक भाई है उसके पिता प्राइवेट हॉस्पिटल में हाउस कीपिंग का काम करते है। सोमवार सुबह ओम घर में खेल रहा था। खेलते समय उसने लोहे की चौखट को छुआ तो उसे करंट का झटका लगा जिससे वह मौके पर ही बेसूध हो गया। परिवार वालो ने उसे फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया जहॉ डॉक्टरों ने शुरूआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने

मर्ग कायम कर पीएम के बाद शव परिवार वालो को सौपं दिया है। परिवार वालो ने पुलिस को बताया की बरसात में गीला होने के कारण घर में लगी गेट की लोहे की चौखट में करंट उतर आया था जिससे टच होने से बच्चे की जान चली गई।

एक्टिवा को वीआईपी रोड पर खड़ा कर युवक ने तालाब में छलांग लगा की खुदकुशी

परिवार वालो का आरोप, प्रेमिका के शादी से इंकार करने पर उठाया कदम

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में स्थित वीआईपी रोड पर सोमवार सुबह करीब 10 बजे उसे समय हड़कंप मच गया जब यहॉ काले रंग की एक्टिवा नंबर एमपी 04 यूपी 4937 से पहुंचे युवक ने शीतला माता मंदिर के पास सड़क पर वाहन खड़ा किया और बाद में रेलिंग को फांदकर तालाब में छलांग लगा दी। जब तक गोताखोरो की मदद से उसे पानी से बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम से मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक की पहचान कोकता बाइपास पर रहने वाले अमित साहू (22) पिता लक्ष्मी नारायण साहू के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर कुछ देर बाद ही उसका भाई रवि साहू भी मौके पर पहुंच गया। उसने छलांग लगाने वाले युवक की एक्टिवा की पहचान कर बताया की अमित उसका भाई है, वह बीकॉम से ग्रेजुएट था, और ओला में खुद की टैक्सी चलाता था। भाई रवि का कहना है कि अमित का एक युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, और वह बीते करीब 6 साल से उसके साथ रिलेशन में था। भाई का आरोप है कि अमित उस लड़की से शादी करना चाहता था, उसकी मर्जी के चलते परिजन भी राजी थे, लेकिन बीते दिनो लड़की ने अचानक अमित से शादी करने से इंकार कर दिया था। इस बात को लेकर अमित काफी मानसिक तनाव में रहने लगा था। बताया जाता है, कि अमित ने सुसाइड से पहले प्रेमिका को फोन लगाया था, और उससे उसकी काफी बहस हुई, इसके बाद उसने तालाब में छलांग लगा दी। आखिरी बातचीत भी उसकी प्रेमिका से हुई थी। उसे छलांग लगाता देख मौके पर मौजूद लोगो ने फौरन ही इसकी सूचना डायल 100 को दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकालाते हुए पीएम के लिये भेज दिया। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारणो का खुलासा मृतक के परिवार वालो के बयान दर्ज होने के बाद ही हो सकेगा।

असामान्य घटना टालने वाले 13 रेलकर्मी संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मण्डल रेल प्रबन्धक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 13 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबन्धक द्वारा मंडल कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया। इन रेलकर्मियों ने अपनी सूझ-बूझ, सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही से गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रशंसनीय कार्य किया है। इनके प्रयासों से न केवल रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई बल्कि रेलवे संपत्ति की भी सुरक्षा हुई। रेल प्रशासन कर्मचारियों के समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार

कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित करता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए रेलकर्मियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री विजय शंकर गौतम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित 13 रेलकर्मी

1. देवेन्द्र कॉटे वाला, नरमदापुरम
2. मिथुन सरोदे, उप स्टेशन प्रबंधक, मिसरोद
3. श्री ऋषि पांचाल, कॉटे वाला, मिसरोद
4. श्री गौरव भोसले, ट्रेन मैनेजर, सुरगांव बंजारी
5. श्री अंकित सिंह चंदेल, गुड्स ट्रेन मैनेजर, इटारसी
6. श्री दीपक कुमार पटेल, ट्रैकमेंटेनर-~~क~~क, बानापुरा
7. श्री पप्पू नाथ योगी, ट्रैकमेंटेनर-~~क~~क, भोपाल
8. श्री शाकूर खान, ट्रैकमेंटेनर-II, भोपाल।

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

नोडल शिक्षक की मदद से विद्यार्थियों के करियर डायरी और फोल्डर होंगे तैयार

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का संचालनः नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।

प्रार्थना सभा में मिलेगी विस्तृत जानकारीः विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी कॅरियर के प्रति रूचि लेकर स्वयं कार्ड पढ़कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय में एक कॅरियर कार्नर बनाया जाये जिसमें कॅरियर संबंधी सामग्री, कॅरियर कार्ड, पोस्टर, ब्रोशर और विद्यार्थी द्वारा बनाई गई सामग्री प्रदर्शित की जाये।

कॅरियर मेला का आयोजनः सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों से इस शैक्षणिक सत्र में जनवरी माह में कॅरियर मेला आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिये कहा गया है। विद्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये प्राचार्यों से कहा गया है कि कॅरियर मार्गदर्शन से संबंधित विमर्श पोर्टल की मॉनिटरिंग फार्म को नोडल शिक्षक की सहायता से भरवाया जाये। प्राचार्य द्वारा कम से कम 2 कॅरियर मार्गदर्शन कक्षाओं का अवलोकन करके संबंधित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन दिया जाये।

राज्य स्तर की गतिविधियां

राज्य स्तर कॅरियर मार्गदर्शन के लिये आवश्यक संसाधन जिनमें 501 करियर कार्डस् हिन्दी एवं अंग्रेजी में, पोस्टर, ब्रोशर और 7 एजुकेशनल वीडियो को विमर्श पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है। प्रत्येक माह में नोडल शिक्षकों के साथ एक घंटे की ऑनलाइन समीक्षा की जायेगी। इस वर्ष अक्टूबर एवं दिसंबर में कॅरियर संबंधित विषयों पर वेबिनार के आयोजन का भी किया जाना प्रस्तावित है।

प्रियंका को मिला विश्व साहित्य सम्मान

शब्द को शब्द से ऐसे जोड़ा कि सुनने वाले कहने लगे वाह!

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

उन्होंने शब्दों को कुछ इस तरह पिरोया कि सबके मन को भा गया। लोगों को कविता सुनना इतना अच्छा लगा कि जिस मंच पर कविता पढ़ दी, उसी मंच पर डॉ. प्रियंका प्रियांजलि को सम्मानित किया जाने लगा। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में सम्मान प्राप्त करने वाली राजधानी की कवयित्री डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ह्यप्रियांजलिह्य को अब विश्व साहित्य सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। निर्दलीय संगठन के 52वें वार्षिकोत्सव में भोपाल निवासी डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव प्रियांजलि को वर्ष 2025 में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। अब तक इन्हें अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों द्वारा विभिन्न सम्मान प्राप्त हो

चुके हैं। संस्था, प्रति वर्ष देश के विभिन्न राज्यों से विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं का सम्मान करती है। इस वार्षिकोत्सव में राष्ट्रीय शिखर सम्मान एवं विश्व साहित्य सम्मान के अंतर्गत 101 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व डॉ. प्रियंका प्रियांजलि को स्त्री विषय पर उनकी विभिन्न दृष्टिकोणों पर आधारित पांच रचनाओं के लिए विश्व हिंदी रचनाकार मंच द्वारा राजधानी के हिंदी भवन में रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अटल गौरव अवार्ड, निर्भया सम्मान राष्ट्रीय शब्दाक्षर प्रतीक चिन्ह, कायस्थ कुलभूषण सम्मान और प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका प्रियांजलि ने साहित्यिक संगठनों, अपने कवि मित्रों, परिवार और प्रशंसकों के समर्थन के लिए, सभी की शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनकी रचनाओं को सराहा और पसंद किया, जिससे उन्हें और भी अच्छा लिखने की प्रेरणा मिल सकी। जिन्होंने लेखन और वाचन कला में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन सभी के प्रति उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. प्रियंका प्रियांजलि ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि अपनी रचनाओं के माध्यम से राजभाषा हिंदी के उन्नयन के लिए कार्य करना तथा हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना उनका उद्देश्य है। वर्तमान समय में अनेक गैर हिंदी राज्यों के लोगों को भी हिंदी से जोड़ना है और उनमें हिंदी साहित्य के प्रति रूचि जाग्रत करना है। इसके लिए नवांकुर साहित्य मनीषियों को हिंदी भाषा में सृजन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पहली बार गले के नस की दुर्लभ सर्जरी, 70 वर्षीय मरीज को मिली नई जिंदगी

दीनबन्धु ■ रायपुर
www.dinbandhunews.com

पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में एक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण सर्जरी कर 70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई। मरीज के गले की नस कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जिसे कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी नामक जटिल सर्जरी से सफलतापूर्वक हटाया गया। यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा की गई। डॉ. साहू के अनुसार यह सर्जरी राज्य में इस प्रकार की प्रथम एवं अत्यंत दुर्लभ सर्जरी है। बालाघाट निवासी 70 वर्षीय मरीज को पिछले दो वर्षों से बार-बार लकवा, चक्कर, एक आंख से धुंधला दिखना और सुनाई न देने जैसी समस्याएं हो रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद कैरोटिड सीटी एंजियोग्राफी कराई गई, जिसमें पता चला कि मरीज की दाहिनी कैरोटिड आर्टरी में 95त्न से अधिक रुकावट थी। इससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

डॉ. के.के. साहू ने परिजनों को स्पष्ट किया कि इस सर्जरी में जान का खतरा हो सकता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान यदि कोई भी प्लाक का टुकड़ा या हवा का बुलबुला मस्तिष्क में चला जाता तो मरीज ब्रेन डेड हो सकता था। इसके बावजूद मरीज एवं परिजनों ने ऑपरेशन की सहमति दी। सर्जरी के दौरान कैरोटिड शंट नामक विशेष उपकरण का प्रयोग किया गया ताकि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह लगातार बना रहे। ब्लॉकेज हटाने के बाद नस को बोवाइन पेरीकार्डियम पैच से मरम्मत कर पुनः सामान्य किया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज अब स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की स्थिति में है। डॉ. साहू के मुताबिक, गले की नस के ब्लॉकेज खोलने की अन्य विधि कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग है पर सर्जरी जिसको कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी कहा जाता है, वह सुरक्षित होता है। कैरोटिड आर्टरी वह मुख्य धमनी होती है जो गले से होते हुए मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाती है। इसमें रुकावट का मुख्य कारण होता है – धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जमा होना।

50त्न तक ब्लॉकेज होने पर आमतौर पर लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु 70-80त्न से अधिक ब्लॉकेज पर ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) या छोटे स्ट्रोक जैसे लक्षण सामने आते हैं – जैसे अचानक एक आंख से दिखना बंद होना, मुंह टेढ़ा होना, बोलने में दिक्कत या संतुलन बिगड़ना। इस बीमारी को रोका जा सकता है – धूम्रपान और तंबाकू छोड़कर, ब्लड प्रेशर और शुगर नियंत्रित रखकर, और संतुलित आहार व नियमित व्यायाम के माध्यम से। जिन मरीजों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होती है, उनमें 8-10त्न मामलों में कैरोटिड आर्टरी में भी ब्लॉकेज होता है।

समयबद्धता, पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता के साथ हो योजनाओं का क्रियान्वयन

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता: शुक्ल

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में विभागीय अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 15वां वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम) के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अप्रारंभ कार्यों की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित की जाए तथा लंबित निविदाओं की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर परियोजना की प्रोजेक्टवार समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि बजट के उपयोग में पारदर्शिता, समयबद्धता और उचित तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना की मासिक समीक्षा की जाए और कार्यों की प्रगति की फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाये। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी लंबित कार्यों की समयसीमा निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बताया गया कि अधोसंरचना विकास के 2949 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 1972 कार्य पूर्ण तथा 754 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 335 कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ है। इन परियोजनाओं के लिए राशि रुपये 2483.37 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध अब तक राशि रुपये 729.52 करोड़ का व्यय हो चुका है। भोपाल में सर्वाधिक 480 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 306 कार्य पूर्ण हुए हैं एवं रुपये 121.10 करोड़ व्यय किया गया है। जबलपुर संभाग ने रुपये 147.69 करोड़ के व्यय के साथ सर्वाधिक वित्तीय प्रगति दर्ज की है।

राज्य स्तरीय योजना मद के अंतर्गत 285 कार्य स्वीकृत, जिनमें 156 पूर्ण/हस्तांतरित एवं 118 कार्य प्रगति पर हैं। 9 कार्य अप्रारंभ हैं एवं 2 कार्य निविदा स्तर पर हैं। जबलपुर (रु 37.28 करोड़), भोपाल (रु 39.41 करोड़) और रीवा (रु 33.01 करोड़) सहित सभी संभागों में योजनाओं की सतत प्रगति जारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 669 कार्य स्वीकृत, जिनमें से 367 पूर्ण, 245 कार्य निर्माणाधीन, 10 निविदा स्वीकृत, 12 निविदा स्तर पर, एवं 35 कार्य अप्रारंभ हैं। अब तक राशि रुपये 164.69 करोड़ का व्यय किया गया है। उज्जैन में सर्वाधिक 183 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 104 पूर्ण हो चुके हैं। जबलपुर में रु 36.07 करोड़, भोपाल में रु 28.41 करोड़ और रीवा में रु 20.05 करोड़ का व्यय दर्ज हुआ है।

15वें वित्त आयोग मद में 1934 कार्य स्वीकृत हुए हैं। इनमें से 146 कार्य पूर्ण, 206 कार्य निर्माणाधीन, 170 कार्य निविदा स्तर पर, एवं 141 कार्य अप्रारंभ हैं। इंदौर (331 कार्य) और जबलपुर (321 कार्य) में सर्वाधिक कार्य स्वीकृत हुए हैं, जहां क्रमशः रु 63.84 करोड़ एवं रु 66.01 करोड़ का व्यय हुआ है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम) अंतर्गत 61 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें 23 कार्य पूर्ण, 25 प्रगति पर, और 36 कार्य निविदा स्तर पर हैं। इनके लिए राशि रुपये 87.39 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है और अब तक राशि रुपये 46.80 करोड़ का व्यय किया गया है। भोपाल (9 कार्य), ग्वालियर (7), इंदौर (11), जबलपुर (14) में योजनाओं का क्रियान्वयन जारी है।

तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभाग में रिक्त पड़े तकनीकी पदों (इंजीनियरिंग एवं सुपरविजन स्तर) की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मैनपावर की तैनाती अत्यावश्यक है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह, एनएचएम की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, तथा विभागीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर श्री खाटू श्याम मंदिर के 23 वें वार्षिक उत्सव में हुई समिलित

भोपाल। महापौर मालती राय श्री खाटू श्याम मंदिर के 23वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में समिलित हुईं और बाबा खाटूश्यामजी कीपूजा-अर्चना की। महापौर मालती राय रविवार को ए-सेटर, सर्वधर्म कालोनी कोलार रोड स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के 23वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में समिलित हुईं। महापौर श्रीमती राय ने बाबा खाटूश्यामजी की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर परजोन क्रमांक 07 की अध्यक्ष बृजुला सचान, आयोजन समिति के पदाधिकारी सहित बड़ी संया में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान और विश्वशांति महायज्ञ

अयोध्या नगर जैन मंदिर में विश्वशांति हेतु गुंजायमान हुआ जियो और जीने दो का नारा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

अयोध्या नगर में इन दिनों धर्म की गंगा बह रही है। भारत की संस्कृति में सर्वोम बताये गए सिद्ध भगवंतों की पूजा अर्चना हेतु विशेष अनुष्ठान सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ अयोध्या नगर जैन मंदिर में चल रहा है। आज जैन समाज द्वारा विशेष भक्तिमय अर्घ्य समर्पित किये। गौरतलब है कि अष्टानिका महापर्व में यह आठ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान × से 10 जुलाई तक चलेगा। विश्वशांति, देशउत्थान, समाज खुशहाली, धर्मवृद्धि एवं प्राणी मात्र के कल्याण की भावना लिए आज सिद्ध भगवंतों को विशेष 64 ऋद्धियों के अर्घ्य समर्पित किये गए। इसके साथ साथ आयोध्या नगर जैन मंदिर में विश्वशांति हेतु जियो और जीने दो का नारा गुंजायमान हुआ। भारतीय संस्कृति में ऐसा माना जाता है कि अष्टानिका पर्व में किये गए पुण्य या पाप का फल कई गुना अधिक मिलता है। जैन समाज इस बात को ध्यान में रखते हुए अष्टानिका पर्व में विशेष पूजा अर्चना करता है। उक्त अनुक्रम में अयोध्या नगर जैन मंदिर में सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। विधान में शामिल श्रद्धालु उत्साह एवं भक्ति के साथ सिद्ध परमात्माओं को विशेष अर्घ्य एवं श्रीफल अर्पित कर रहें हैं। श्रद्धालु भक्ति के आनंद में सरोवर है एवं इस विशेष अवसर का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने की भावना से ओत-प्रोत हैं। वहीं मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज जैन द्वारा आयोध्या नगर जैन मंदिर के बारे में बताया तथा आगामी योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुए ऑनलाइन डोनेशन हेतु यू आर कोड से अवगत कराया। सौधर्म इंद्र परिवार तथा मैना सुन्दरी परिवार द्वारा अपने-अपने पात्र भूमिका एवं भगवान से विश्वशांति, देशउत्थान, समाज खुशहाली, धर्मवृद्धि एवं प्राणी मात्र के कल्याण की प्रार्थना की गयी।

खेल मैदान का अधिग्रहण रोकने राज्यमंत्री कृष्णा गौर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भेल युवा संगम समिति, भोपाल ने बरखेड़ा एफ- सेटर स्थित बाबूलाल गौर खेल एवं दशहरा मैदान का अधिग्रहण रोकने के लिए सोमवार को विधायक एवं रा'यमंत्री कृष्णा गौर को ज्ञापन सौंपा। समित के अध्यक्ष केवल मिश्रा ने बताया कि कई साल पहले भेल कारखाने के पूर्व महाप्रबंधक ने इस मैदान को बाबूलाल गौर खेल मैदान घोषित किया था। उसके बाद से यहां लगातार विजया दशमी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती रही हैं। अब इस मैदान को भेल द्वारा अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसे ज्ञापन देकर रोकने की अपील की गई है। इस अवसर पर बड़ी संया में भेल युवा संगम समिति और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश में पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का होगा उपयोग

15 अगस्त से `एक बगिया माँ के नाम' अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत ÷एक बगिया मां के नाम÷ परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

'एक बगिया मां के नाम' से होगा ऐप

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस

महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

30 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ

एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक?की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्?ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी। एक बगिया मां के नाम परियोजना अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनमत 100 हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। चयनित पात्र महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण महिलाओं को वर्ष में दो बार दिया जाएगा।

सॉफ्टवेयर बताएगा किस प्रजाति के पौधे के लिए है जमीन उपयोगी

एक बगिया माँ के नाम' परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर से भूमि का परीक्षण किया जाएगा। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयुक्त है। पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का स्त्रोत कहां उपलब्ध है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

न्यूनतम आधा एकड़ अधिकतम 1 एकड़ जमीन होना अनिवार्य

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने के लिए चयनित हुई समूह की महिला के पास बगिया लगाने के लिए भूमि भी निर्धारित की गई है। चयनित महिला के पास न्यूनतम आधा एकड़ या अधिकतम एक एकड़ जमीन होना अनिवार्य है। फलोद्यान की बगिया लगाने के लिए चयनित हितग्राहियों की सहायता के लिए कृषि सखी नियुक्त की जाएगी। ये कृषि सखी हितग्राहियों को खाद, पानी, कीटों की रोकथाम, जैविक खाद, जैविक कीटनाशक तैयार कराने और अंतर्वर्तीय फसलों की खेती के बारे में जानकारी देगी। प्रत्येक 25 एकड़ के फलदार पौधरोपण पर एक कृषि सखी नियुक्त होगी। पौधरोपण का कार्य सही तरीके से हो रहा है या नहीं। पौधे कहा पर लगे है या नहीं। इसकी ड्रोन-सैटेलाइट इमेज से निगरानी भी की जाएगी। मनरेगा परिषद द्वारा पॉयलेट प्रोजेक्ट के तहत धार जिले की जनपद पंचायत बाग के ग्राम पंचायत बाग, बाणदा, घोटियादेव, पिपरियापानी, झाबा, चिकापोटी में इसका परीक्षण भी हो गया है। पर्यवेक्षण के लिए अलग से एक डेश बोर्ड भी बनाया जाएगा। साथ ही प्रदर्शन के आधार पर प्रथम 3 जिले, 10 जनपद पंचायत एवं 25 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

मंत्री कुशवाहा नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक में हुए शामिल

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 96वीं आमसभा बैठक में सम्मिलित हुए। भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम एम.ए.एस.सी. कॉम्पलेक्स के सभागार में आमसभा की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश को उद्यानिकी राज्य में विकसित करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है। मध्यप्रदेश का मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुये भारत कृषि अनुसंधान परिषद का प्रदेश में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाये। इससे प्रदेश के कृषकों को मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियां सुलभ एवं उचित दाम पर उपलब्ध हो सकेंगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसाला उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषकों की आय में वृद्धि, उद्यानिकी उत्पाद के मूल्य संवर्धन से प्र-संस्करण उद्योग को बढ़ावा, प्रदेश एवं देश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय के अध्ययन में सुविधायें प्राप्त होगी तथा प्रदेश के उद्यानिकी उत्पाद को निर्यात प्रोत्साहन मिलेगा।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि सब्जियों की संकर किस्मों के बीज बाजार में अधिक कीमतों में उपलब्ध हो पाते है। भारतीय कृषि अनुसंधान द्वारा उत्पादित संकर सब्जी बीजों को प्रदेश के कृषकों को सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर बीज उत्पादन का कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जाए। इससे कम लागत और कम समय में किसान बेहतर उत्पादन कर सकेंगे। आम सभा की बैठक में अनुसंधान परिषद के कार्यों का लेखा-जोखा तथा भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

संपादकीय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व परिष्कृत होते साइबर हमले व धोखाधड़ी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के आधुनिक प्रौद्योगिकी के बढ़ते क्रम में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो बैंक अकाउंट साइबर क्राइम से बहुत आगे बढ़कर अबव्हाट्सएप मेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अनेकों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गए है, तो इधर किसी लिंक पर क्लिक किया उधर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए, जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही है, जिसका संज्ञान लेकर अब यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी चौकन्ने हो गए हैं, थोड़ा सा भी डाउट हुआ या ब्रिच ऑ? टर्म एंड कंडीशन हुए, तो तुरंत वह मीडिया प्लेटफॉर्म लॉक कर दिया जाता है।अभी अनेकों लोगों के व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम अकाउंट लॉक कर दिए गए हैं जिस पर ब्रिच आफ टर्म्स एंड कंडीशंस लिखकर आ रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से पूरी दुनियाँ के मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उपयोगकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अपने इंस्ट्रूमेंट आति सावधानी से उपयोग करें, जिसके बारे में नीचे पैराग्राफ में चर्चा की गई है।हमारा वहमीडिया प्लेटफॉर्म भी बंद कर दिया जा सकता है, जिसमें हमारे बहुमूल्य डाटा या ग्रुप होते हैं,नया नंबर लेकर के वह प्लैटफॉर्म तो चालू किया जा सकता है परंतु उसके सारे डेटा उड़ जाते हैं,, इसलिए हमें साइबर क्राइम वालों को कोई मौका नहीं देना है और बहुत ही सावधानी के साथ अपने इंस्ट्रूमेंट ?। उपयोग करना है।चूँकि पूरे विश्व के लिए साइबर अपराधों से जुड़ी कुल लागत और जोखिम लगातार बढ़नां एक चुनौती है तथा उससे निपटने तात्कालिक अपडेट की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर क्राइम व धोखाधड़ी होने की संभावना है। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ाने की करें तो, कई ऐसे मामले सामने आए हैं,जिसमें नकली पुलिस, सीबीआई ऑफिसर बनकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया गया और लाखों रुपये ठग लिए गए, इंटरनेट पर स्टोर जानकारी को एक्सेस करके ठग, लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। हालांकि,जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है उनको भी ठग अपना शिकार बना ले रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना इंटरनेट के उनके पास हमारी जानकारी कैसे है?आज के दौर में अगर हम खुद को सुरक्षित नहीं रखते तो हम साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं,हम इससे बचने के लिए अगर ईमेल या किसी ऑनलाइन सर्विस का यूज कर रहे हैं तो कोशिश करें कि उसका पासवर्ड काफी मजबूत हो, गलती से भी अपने नाम, मोबाइल नम्बर या डेट ऑफ वर्थ को पासवर्ड न रखें, कोशिश करें कि हमेशाटू-फैक्टरऑथोटिकेशन का इस्तेमाल करें, अगर हमको कोई अनजान मेल या मैसेज आता है और उसमंक कोई लिंक दिया गया है तो गलती से भी उसको खोलने की कोशिश न करें, अपने फोन को हमेशा अपडेट रखें,अगर कोई सिक्योरिटी फीचर अपडेट आता है तो उसको जरूर करें, इससे हमारा फोन सुरक्षित रहता है।अगर हम इंटरनेट यूज नहीं करते हैं तो भी ठग आराम से हमको शिकार बना सकते हैं,दरअसल, इसके लिए वे हमारे डेटा को दूसरी जगह से उठाते हैं, इसमें वे सोशल साइट्स, अस्पताल, दुकान या फिर सरकारी ऑफिस आदि जगहों से डेटा लीक करते हैं या फिर किसी तरह निकालते हैं, फिर इस डेटा का इस्तेमाल करके हमारे साथ ठगी के लिए करते हैं, कई लोगों का डेटा उनके किसी रिलेटिव के फोन से भी निकाल लिया जाता है। जो बेहद गंभीर बात है। साथियों बात अगर हम आरबी आई की रिपोर्ट में वित्तवर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी के मामले घटनें परंतु धोखाधड़ी की रकम तीन गुना बढ़ने की करें तो, धोखाधड़ी के अधिकांश मामले डिजिटल भुगतान से जुड़े हैं आरबीआई की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के कुल 23, 953 मामले सामने आए, जो 2023-24 की तुलना में 34 प्रतिशत कम रहे।किंतु2024-25 में 36,014 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और यह रकम उससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 3 गुना अधिक रही।इसके दो मुख्य कारण रहे। पहला, उससे पिछले वित्त वर्ष में 18,674 करोड़ रुपये के 122 मामलों को धोखाधड़ी की श्रेणी से हटा दिया गया और दोबारा जांच के बाद इस वित्त वर्ष में फिर से उनकी शिकायत की गई। दूसरा, उच्चतम न्यायालय के 27 मार्च, 2023 के फैसले का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में 1 लाख रुपये और उससे अधिक की धोखाधड़ी के मामले शामिल किए गए हैं। इसमें वे मामले भी हो सकते हैं, जिनमें धोखाधड़ी कई साल पहले हुई थी मगर शिकायत इस साल दर्ज कराई गई थी। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले निजी क्षेत्र के बैंकों ने आए। उन बैंकों में धोखाधड़ी के 14,233 मामले सामने आए हैं।

हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है

साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता। साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दु:खों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता।

(लेखक-किशन भावनानी)

सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता ने उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचने का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनी जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उ?ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्मता में कमी नहीं आ सकती। साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा। साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की

करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता। साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दुःखों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों से संतुष्ट करना संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्रायः आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है सपनेहां नहिं देखा परदोषा !अर्थात् स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है , जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है , वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्रायः सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी, मगर तेरा तो ऐतबार ही उठ जाएगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों के दोष ढूंढना, निंदा करना मानवीय स्वभाव की करें तो, दूसरों की निंदा करना। सदैव दूसरों में दोष ढूंढते रहना मानवीय स्वभाव का एक ब?ा अवगुण है। दूसरों में दोष निकालना और खुद को श्रेष्ठ बताना कुछ लोगों का स्वभाव होता है। इस तरह के लोग हमें कहीं भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रतिवाद में व्यर्थ समय गंवाने से बेहतर है अपने मनोबल को और भी अधिक ब?ाकर जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहें।

सोशल मीडियाः नया नशा, टूटते रिश्ते और बढ़ता मानसिक तनाव

प्रियंका सौरभ

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ़ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज़ बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था ङ्क बैठकर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ 'टाइप' और 'स्क्रॉल' में बदल गया है। बच्चे हों या बुज़ुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष ङ्क सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो स्टेटस अपडेट , रील या ट्वीट में समा गई हैं।जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है ङ्क अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने 'सीन' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने 'स्टोरी'पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर गेमिंग कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फ़िल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब टैग और मेंशन में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं।

यह आदत अब लत बन चुकी है ङ्क सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फ़ोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली %परफेक्ट ज़िंदगी% का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं।खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर फेक आईडेंटिटी और वर्चुअल ग्लैमर का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल ज़िंदगी में वह कर्ज़ और तनाव से घिरा होता है।

परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा ज़िंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरज़रूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुज़ुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं।आज जब हम %फैक्ट चेकिंग% और %डिजिटल लिटरेसी% की बात करते हैं, तब यह समझना ज़रूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है ङ्क यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है।

बारिश का कहरः प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बड़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोड़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीड़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ड़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बड़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ड़मीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नड़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवड़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बड़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बड़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ड़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ड़मीनी ड़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ड़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बड़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे।

यदि किसी देश का राजा कुशल है तो वह देश बहुत तरक्की करता है

मानव एक छोटी इकाई हैं, जो परिवार, समाज,देश से मिलकर बनता है। यदि किसी देश का राजा कुशल होता है तो वह देश बहुत तरक्की करता है। आर्थिक, राजनीतिक तरक्की करता है।अन्य देशों से उसके व्यापारिक संबंध बनते हैं। इसके विपरीत यदि राजा मूर्ख हुआ तो देश ना आर्थिक उन्नति कर पाता है ना ही राजनीतिक प्रतिष्ठा बना पाता है। अन्य देशों से भी उसके संबंध मधुर नहीं रह पाते और इसका खामियाजा उस देश की प्रजा को भुगतना पड़ता है।

इसी प्रकार यदि योग्य गुरु होता है तो वह समय सुधारक का कार्य करता है वह शिष्य को एवं आसपास के माहौल को ऐसी शिक्षा देता है कि लोग उन्नति कर सके देश निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके। इसके विपरीत गुरु योग्य नहीं है तो फिर उस समाज का विनाश कोई नहीं रोक सकता हैं। पिता की भूमिका परिवार में मुखिया की होती है यदि परिवार का मुखिया समझदार होता है तो पूरे परिवार को बांधकर चलता है उस परिवार के लोग तरक्की करते हैं, उन्नति होती है। यदि परिवार का मुखिया कमजोर होता है तो फिर उस परिवार के बिखरने को कोई नहीं रोक सकता। स्त्री जिस परिवार में होती है अगर स्त्री समझदार है तब परिवार को बच्चों को, माता-पिता को सबको संभाल लेती है परिवार को लेकर चलती हैं। यदि परिवार की स्त्री इस प्रकार के व्यवहारों या गुणों से वंचित है तो उस परिवार का विनाश निश्चित है ना वह परिवार में बच्चों को संभाल पाएगी नहीं बड़ों को संभाल पाएगी और परिवार बिखर जाएगा। यदि मित्र हमारा समझदार है हम जिसे मित्र बनाते हैं वह व्यक्ति यदि समझदार है तो वह हमारी मुसीबत में काम आएगा हमको जब भी सहायता की जरूरत होगी वह हमारे साथ खड़ा होगा हमारे लिए एक मजबूत सहारे का कार्य करेगा उसके विपरीत यदि हमारा मित्र समझदार नहीं है तो वह हमें केवल गलत सलाह देगा हम जीवन की तरक्की नहीं कर पाएंगे और हमारा विनाश निश्चित है। इस बात को हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि देश में राजा परिवार में पिता समाज में गुरु हमारा मित्र परिवार में स्त्री यह लोग साधारण लोग नहीं होते यही निर्माण का कारण भी होते हैं और यही विनाश का कारण भी होते हैं यदि सही व्यक्ति के हाथ में परिवार की समाज की मित्रता की बागडोर रहती है तो निर्माण होता है और यदि किसी गलत व्यक्ति के हाथ में समाज की परिवार की मित्रता की बागडोर होती है तो उसका विनाश होने से कोई नहीं रोक सकता।

पूनम श्रीवास्तव
अंक शास्त्री

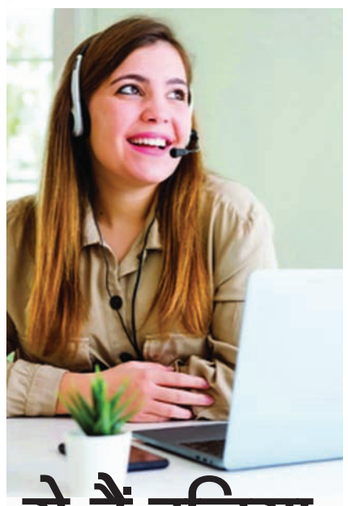

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस -

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्क्रॉआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

मायावती ने बिहार की कानून व्यवस्था पर उठाये सवाल, चुनाव आयोग ले संज्ञान

लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग से बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि बिहार में खासकर दलितों, पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और महिलाओं आदि के खिलाफ अत्याचार, हत्या और जाति आधारित शोषण की वारदातें सामने आती रहती हैं। साथ ही इन वर्गों के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के मामले हमेशा से ही काफी चर्चा का विषय रहे हैं। राज्य में विधानसभा आम चुनाव से पहले हिंसक घटनाएं और हत्या की वारदातें हो रही है। हाल ही में पटना में एक प्रमुख उद्योगपति और सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के नेता गोपाल खेमका की सनसनीखेज हत्या ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के साथ-साथ राज्य की राजनीति को नए तरीके से गरमा दिया है। अगर चुनाव आयोग इस खूनखराबे का संज्ञान लेकर अभी से उचित कार्रवाई करे तो शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना बेहतर होगा। उन्होंने कहा है कि बिहार में चुनाव से पूर्व तदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान ये सारी हिंसक घटनाएं किसके द्वारा और किसके स्वार्थ के लिए की जा रही हैं। इसको लेकर न केवल राज्य की गठबंधन सरकार कटघरे में है, बल्कि इसको लेकर राजनीति भी काफी गरम है। देखना यह है कि भविष्य में इसका राज्य के राजनीतिक समीकरणों और चुनाव पर क्या असर होगा।

वैसे हमारी पार्टी बहुजनों, खासकर दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, वंचितों, शोषितों, गरीबों और मजदूरों आदि की पार्टी हैं, जो अपने कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के तन, मन और धन के बल पर राजनीति करने के सिद्धांत और नीति के तहत अपने बल पर बिहार विधानसभा का आम चुनाव लड़ रही है। इसलिए चुनाव आयोग से अपील है ।

न्यूज ब्रीफ

अब बिना निवेश यूएई में बस सकते हैं भारतीय, नया गोल्डन वीजा स्कीम लॉन्च

दुबई। अब भारतीय नागरिकों को यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में रहने के लिए भारी निवेश करने की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, यूनाइटेड अरब अमीरात ने नया गोल्डन वीजा स्कीम शुरू किया है, जिसके तहत एक बार की फीस (लगभग 23 लाख) भरकर लाइफटाइम रेजिडेंसी मिल सकती है। यह योजना फिलहाल भारत और बांग्लादेश में शुरू की गई है और पहले तीन महीनों में 5,000 से ज्यादा भारतीय आवेदकों की उम्मीद है। कंसल्टेंसी फर्म रयाद ग्रुप आवेदन प्रक्रिया संभालने की अगुवाई कर रहा है। आवेदन ऑनलाइन और कॉल सेंटर के जरिए भी किए जा सकते हैं।रयाद ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रयाद कमाल अयूब ने कहा कि यह भारतीयों के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया कि वीजा के लिए आवेदकों की पृष्ठभूमि, आपराधिक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया की जांच होगी। इस स्कीम के तहत अब वीजा पाने के लिए वहां मोटा निवेश करने या कोई प्रॉपर्टी खरीदने की जरूरत नहीं होगी। अब तक गोल्डन वीजा पाने के लिए कम से कम लगभग 4.66 करोड़ रुपये के निवेश की शर्त थी। अब यह वीजा प्रोफेशनल बैकग्राउंड, सामाजिक योगदान या यूएई के सेक्टर जैसे कल्चर, ट्रेड, विज्ञान, स्टार्टअप या फाइनेंस में योगदान के आधार पर मिलेगा।

कॉर्पोरेट स्टाइल में राजनीति करेंगे मस्क, टेस्ला सीएफओ वैभव को सौंपी पार्टी के खजाने की चाबी

वॉशिंगटन। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की दुनिया में बड़ा नाम कमा चुके अरबपति एलन मस्क ने अब सियासत में बड़ी छलांग लगाई है। वे अमेरिका की राजनीति में भी उसी कॉरपोरेट सोच के साथ कदम रख रहे हैं। हाल ही में मस्क ने अमेरिका पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की, जिसका मकसद अमेरिका की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना है।इस पार्टी के एफईसी फॉर्म (रजिस्ट्रेशन दस्तावेज) में सबसे खास नाम सामने आया है भारतवंशी वैभव तनेजा का। इस वक्त तनेजा टेस्ला के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) हैं। उन्हें मस्क ने पार्टी का ट्रेजरार और कस्टोडियन ऑफ रिकॉर्ड नियुक्त किया है यानी पार्टी के खजाने की चाबी थमा दी है। यह कदम इस ओर इशारा करता है कि एलन मस्क पार्टी को कॉरपोरेट मैनेजमेंट के तरीके से चलाना चाहते हैं जहां पारदर्शिता, फाइनेंशियल डिसिप्लिन और प्रोफेशनल मैनेजमेंट को प्रायोरिटी दी जाती है। दुनियाभर में भारतवंशियों का डंका बज रहा है। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों में बड़े पदों की कमान भारतवंशी संभाल रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट वैभव तनेजा पर एलन मस्क लगातार भरोसा

भाजपा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू, कार्यक्रम में पहुंचे सीएम, मंत्री और सांसद

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित मैनपाट में भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन आज सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके विधायक, सांसद और मंत्री उपस्थित रहे। एक-एक करके सभी भाजपा के विधायक और मंत्री शिविर के अंदर चले गए। तीन दिवसीय शिविर में मीडिया का प्रवेश पूर्णतः वर्जित है। यहां तक कि शिविर में सभी विधायक, सांसद और मंत्रियों का फोन भी अंदर ले जाने नहीं दिया गया। बाहर ही सभी के मोबाइल जमा करवा दिया गया। फिलहाल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनके सभी विधायक, मंत्री और सांसद का मैनपाट तिब्बती कैम्प नंबर-1 के कम्युनिस्ट हाल नंबर तीन में प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ अंबिकापुर में भारतीय जनता पार्टी की तीन दिवसीय चिंतन और प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा सोमवार को होगा। शिविर 7 से 9 जुलाई तक चलेगा, जिसमें पार्टी के सभी 54 विधायक और सांसद शामिल होंगे। शिविर के दौरान कुल 12 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पार्टी की रीति-नीति, संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा होगी।

हिमाचल में बारिश से राहत, फिर भी अलर्ट जारी, अब तक 80 मौते

शिमला

हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश से राहत मिलती दिखाई दी है। शिमला समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को मौसम साफ रहा और लोगों ने राहत की सांस ली। खासकर शिमला में पिछले दो दिनों से बारिश थमी हुई है और दिन के समय धूप खिली रही। हालांकि मौसम विभाग ने फिर से बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग ने 10 जुलाई तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 11 से 13 जुलाई के बीच भी बारिश के आसार हैं, लेकिन इस दौरान कोई विशेष चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

अगले 24 घंटों में लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी 10 जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। बीते 24 घंटों में बिलासपुर के आरएल बीबीएम में सर्वाधिक 60 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि बरठीं में 50 मिमी, ऊना और नैना देवी में 40-40 मिमी तथा गोहर में 30 मिमी वर्षा दर्ज हुई।

मौसम में सुधार आने से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में तेजी आई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सोमवार शाम तक प्रदेश में भूस्खलन के कारण 235 सड़कों पर यातायात ठप रहा। साथ ही 163 ट्रांसफार्मर और 174 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित मंडी जिला है, जहां 176 सड़कें, 155 बिजली ट्रांसफार्मर और 158 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं। इनकी बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार 20 जून से अब तक वर्षा जनित हादसों में 80 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। वहीं 31 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 163 घर पूरी तरह से ध्वस्त हुए और 191 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 364 पशुशालाएं और 27 दुकानें भी तबाह हो चुकी हैं।

अब तक के आंकलन के अनुसार मानसून सीजन में हिमाचल को कुल 692 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसमें जलशक्ति विभाग को 391 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 292 करोड़ का नुकसान पहुंचा है।

मंडी जिले में इस मानसून में सबसे अधिक तबाही हुई है। यहां अकेले 30 जून की रात को 12 स्थानों पर बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। जिले में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है और 31 लोग लापता हैं। इसके अलावा कांगड़ा में बाढ़ से 7 और कुल्लू में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं और आम जनता से सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि जिनके मकान आपदा में तबाह हो गए हैं, वे कहीं भी किराए के घर में रह सकते हैं और सरकार उन्हें प्रति माह 5,000 किराया भत्ता देगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आपदा प्रभावितों के साथ पूरी तरह खड़ी है और हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इसरो अध्यक्ष ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात, राज्य के लिए समर्पित उपग्रह की संभावनाओं पर की चर्चा

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने सोमवार को मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

इस दौरान राज्य के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों के माध्यम से विकास की नई संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान इसरो अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को रिमोट सेंसिंग क्षेत्र में अब तक हुई प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान, वन और हरित क्षेत्र की निगरानी, भूजल प्रोफाइल, मानचित्रण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर पहले से ही व्यापक कार्य हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने राज्य में आकाशीय बिजली से हो रही जनहानि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश के लिए पृथक उपग्रह विकसित किया जाए, जो विशेष रूप से आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बिजली गिरने की घटनाओं में औसतन 300 लोगों की मृत्यु हुई है। ऐसे में प्रदेश में आपदा जनित जनहानि को रोकने में यह अत्याधुनिक तकनीक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर इसरो अध्यक्ष डॉ. नारायणन ने आश्वस्त किया कि वे इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगे और शीघ्र ही इसका ठोस समाधान निकालने की दिशा में कार्य करेंगे।

आठ साल का मासूम नहीं समझता इंसानी भाषा, भौंककर कहता है अपनी बात

थाईलैंड के उत्तरदित प्रांत में एक आठ साल का बच्चा कुत्तों के झुंड के साथ पलते-पलते इंसानों जैसी भाषा भूल गया है। यह बच्चा एक झोपड़ी में अपनी नशेड़ी मां और भाई के साथ रहता था। पुलिस और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जब छापा मारा तो बच्चे की हालत देखकर सब हैरान रह गए। वह भौंककर अपनी बात कहता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बच्चा कभी स्कूल नहीं गया। उसकी मां केवल तब स्कूल लेकर गई थी जब सरकार से फ्री एजुकेशन के तहत पैसा लेना था। पैसा मिलते ही मां ने बच्चे को गंदगी और तन्हाई में छोड़ दिया, जहां उसके पास खेलने और बात करने के लिए सिर्फ कुत्ते थे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से बदसलूकी में मनसे नेता के बेटे पर एफआईआर

मुंबई

महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) एक और विवाद में घिर गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मनसे के राज्य उपाध्यक्ष जावेद शेख का बेटा राहिल शेख नशे की हालत में मराठी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस राजश्री मोरे के साथ बदसलूकी करते हुए नजर आया। इस घटना को लेकर अंबोली पुलिस ने राहिल पर प्राथमिकी दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो में राहिल अर्धनग्न अवस्था में कार में बैठा मराठी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अभद्र भाषा में बात करते दिख रहा है। एक्ट्रेस राजश्री मोरे ने यह वीडियो खुद अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया, जिसे बाद में शिवसेना नेता संजय निरुपम ने री-पोस्ट

करते हुए मनसे पर तीखा हमला किया और कहा कि यह मराठी संस्कृति के स्वयंभू रक्षकों का असली चेहरा है। भाषा विवाद से उपजा तनावइस विवाद की पृष्ठभूमि कुछ दिन पहले के उस वीडियो से जुड़ी है, जिसमें राजश्री मोरे ने कथित तौर पर कहा था, सिर पर बंदूक रखकर मराठी मत बुलवाओ... पहले मराठियों को मेहनत करना सिखाओ, फिर मराठी सिखाओ। इस बयान के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस हस्तक्षेप के बाद मोरे से माफी मंगवाई गई और वीडियो हटवाया गया। हादसे की दूसरी कड़ी इस पूरे विवाद के बाद राजश्री ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें राहिल शेख उनकी कार को टक्कर मारते हुए दिखाई दे रहा है। टक्कर के बाद हुए विवाद में दोनों के बीच तीखी बहस हुई और महिला ने राहिल पर गाली-गलौज और नशे में बदसलूकी का आरोप लगाया। मनसे ने झाड़ पल्ला मामले पर सफाई देते हुए मनसे नेता अविनाश जाधव ने कहा कि राहिल शेख का पार्टी से कोई संबंध नहीं है। वह न तो किसी पद पर है और न ही प्राथमिक सदस्य।

इजरायल ने यमन पर बोला हमला: 3 बंदरगाह उड़ा डाले, ऑपरेशन ब्लैक फ्लैग

तेल अवीव

इजरायल-ईरान में शांति के बाद इजरायल ने अब यमन पर हमला बोला है। हूती विद्रोहियों को टार्गेट किया है। इससे मिडिल ईस्ट में तनाव फिर बढ़ गया है। इजरायल ने ऑपरेशन ब्लैक फ्लैग के जरिए यमन के पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन प्रमुख बंदरगाहों पर अटैक किया। इजरायली वायुसेना ने हुदैदाह, रास ईसा और सैफ पर जोरदार हवाई हमला बोला। इससे पहले इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाया था। हमले से पहले इजरायल ने इन इलाकों में नागरिकों को चेतावनी दी थी कि वे इलाका खाली कर दें और सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। उन्हें बताया गया था कि इजरायली वायुसेना कभी भी अटैक कर सकती है। चेतावनी के कुछ कुछ ही घंटे में हवाई हमले शुरू हो गए।

बता दें कि इजरायल हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से ही हूती विद्रोही लगातार इजरायल

पर मिसाइलें दाग रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर में वह इजरायल और पश्चिमी देशों से जुड़े जहाजों को भी निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोहियों को समर्थन ईरान से मिलता है। पिछले महीने भी इजराइली नेवी ने हुदैदाह में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया था। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने हमलों की पुष्टि की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हूती जो भी कार्रवाई करेंगे, उसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ेगी। यमन का हाल भी वही होगा जो ईरान का हुआ है। इजरायल के खिलाफ जो हाथ उठाएगा, वो हाथ काट दिया जाएगा। इजराइल डिफेंस फोर्स ने एक्स पर पोस्ट में हमले का कारण बताया। का दावा है कि हूती विद्रोही ईरान से हथियार मंगवाकर इजराइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंक की साजिश रच रहे थे। हमले में हूती नियंत्रित पावर स्टेशन 'रास कनातिब' को भी निशाना बनाया गया, जो इब्ब और ताइज शहरों को बिजली मुहैया कराता है। इजरायली वायुसेना ने खुफिया सूचना के आधार पर यमन के अल हुदायदाह, रास ईसा, सालिफ और रास कनातिब पावर प्लांट में हूती आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इन ठिकानों का इस्तेमाल ईरानी हथियारों के ट्रांसफर और ड्रोन व मिसाइल से इजरायली नागरिकों पर हमले के लिए किया जा रहा था। हमलों में 'गैलेक्सी लीडर' जहाज भी निशाना बना जिसे हूतियों ने 2023 में जब्त कर लिया था और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की निगरानी के लिए इसमें रडार सिस्टम लगाया था। आईडीएफ ने कहा कि वह इस्राइली नागरिकों पर खतरे को रोकने के लिए जहां जरूरत होगी, कार्रवाई करता रहेगा।

हूती विद्रोहियों से जुड़े मीडिया ने हमले की पुष्टि की है। लेकिन उन्होंने सिर्फ हुदैदाह पोर्ट पर अटैक को माना है। इसके अलावा हमला से कितना नुकसान हुआ या हताहतों से जुड़ी जानकारी नहीं दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हूती विद्रोहियों का दावा है कि इजरायली हमले के बाद उनके एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गए और हमलों का जवाब मिसाइलों से दिया।

ब्रीफ न्यूज़

रेलवे में संवेदनशील सेक्शन में सीसीटीवी कैमरे से निगरानी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे, रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारियों का कुशलता पूर्वक

निर्वहन करने हेतु चौबीस घंटे सतत कार्य करते हुए सुरक्षित माल परिवहन के साथ-साथ रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता कर रही है। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर लगातार नवाचारों को भी अपनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मण्डल में सतना-कटनी रेलखण्ड पर सतना से कटनी आउटर तक सौर ऊर्जा से चलने वाले स्टैंडअलोन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिससे संवेदनशील क्षेत्र में हो रही लगातार यात्रियों के सामान की चोरी (टीओपीबी) के मामलों को पहचानने में मदद मिलेगी। यह सीसीटीवी कैमरा हमेशा 24 घण्टे लाइव और रिकॉर्डिंग के साथ निगरानी में पूरी तरह चालू रहेगा, जिससे क्षेत्र की वास्तविक समय की निगरानी संभव हो पायेगी। फुटेज से प्राप्त इनपुट के आधार पर गहनता से जांच करने में पूरी मदद मिलती है। चोरी या अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने और उनकी गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए रिकॉर्ड किए गए फुटेज का नियमित रूप से विश्लेषण किया जाता है। पश्चिम मध्य रेल की इस पहल ने संवेदनशील सेक्शन में निवारक निगरानी और खुफिया-आधारित पुलिसिंग को काफी मजबूत किया है। पश्चिम मध्य रेल अब डिजिटल ट्रैकिंग और तकनीकी दक्षता से लैस रेलवे प्रशासन यात्रियों को न केवल बेहतर सेवा दे रहा है, बल्कि उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए भी सजग और सक्रिय है। रेल यात्री शिकायत के लिए रेल मदद, 139 हेल्पलाइन या आरपीएफ से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

टेम्पो ट्रैक्स पेड़ से टकराया, 3 महिलाओं की मौत

शहडोल। शहडोल के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 4.40 बजे एक टेम्पो ट्रैक्स जोरा गांव के पास पेड़ से टकरा गया। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर मौत हो गई। वहीं 15 महिलाएं और बच्चे घायल हैं। जानकारी के मुताबिक टेम्पो ट्रैक्स (तूफान) में कुल 20 लोग सवार थे। ड्राइवर के अलावा सभी महिलाएं और बच्चे थे। ये लोग अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे छत्तीसगढ़ लौट रहे थे। 4 घायल शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पहले ब्यौहारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान गायत्री कवर (55), मालती पटेल (50) और इंदिरा बाई के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस और पुलिस वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतकों के परिजन को फोन पर सूचना दी है, जो ब्यौहारी के लिए रवाना हो गए हैं।

शब्दाक्षर पुरुलिया,पश्चिम बंगाल का काव्योत्सव सम्पन्न

कोलकाता। रविवार की शाम आद्रा में 'शब्दाक्षर पुरुलिया' के तत्ववधान में काव्योत्सव का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शब्दाक्षर के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कृष्ण पाल सिंह की विशेष उपस्थिति थी। कार्यक्रम के आयोजक एवं शब्दाक्षर के जिला अध्यक्ष अभय कुमार ओझा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह स्वागत किया। कवि सम्मेलन में बांग्ला एवं हिंदी के कुल 74 कवियों ने रचनाएं पढ़ी। 3 घंटे तक अनवरत चल चले इस कवि सम्मेलन का संचालन जिला संगठन मंत्री एस. एन.तिवारी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रेलकर्मी व स्थानीयजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह की सहमति से, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह ने सत्यजीत चट्टोपाध्याय को शब्दाक्षर पुरुलिया की बांग्ला शाखा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर जिला अध्यक्ष अभय कुमार ओझा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए, राष्ट्रीय अध्यक्ष 'शब्दाक्षर'-रवि प्रताप सिंह का दूरभाषिक शुभकामना संदेश पढ़ कर सुनाया।

शराब कारोबारी को दी लीज नपा ने की निरस्त

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

हरीश कुमरावत। खरगोन नगर पालिका द्वारा एक शराब कारोबारी को दूसरे की जमीन कथित तौर पर लीज पर दिए जाने का मामले को लेकर जब नगर में भारी विरोध प्रदर्शन एवं पार्षदों की नाराजगी व जनभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए परिषद ने बैठक बुलाई गई जिसमें 21.11.2024 को 11 माह के लिए अस्थाई रूप से शिवाबाबा फुड्स प्रायवेट लिमीटेड तर्फे अधिकृत श्री गोरव पिता राजेन्द्र जायसवाल निवासी खरगोन को कम्पोजिट मदिरा दुकान के लिये मासिक किराये पर दी गई भूमि का किरायानामा 31.03.2025 को समाप्त कर दिया और कम्पोजिट मदिरा दुकान उमरखली रोड खरगोन को नोटिस जारी करके तत्काल प्रभाव से बिस्टान नाके से अन्यत्र स्थापित करें व 3 दिन में भूमि रिक्त कर नगर पालिका को सुपूर्द करें। जिसके बाद शराब कारोबारी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। आपको बता दे की नपा खरगोन ने एक भूखंड शराब कारोबारी को लीज पर दिया था जब ये मामला सामने आया कि जिस जमीन को लीज पर दिया गया था वह वास्तव में किसी और व्यक्ति की थी। यह पूरी प्रक्रिया गुपचुप तरीके से की गई और इसमें पारदर्शिता का अभाव था। नगरपालिका द्वारा इस जमीन को किसी निजी पक्ष, विशेषकर एक शराब कारोबारी को आवंटित करना नियमों के खिलाफ माना जा रहा है। इस फैसले से उन लोगों में भारी रोष है जो इस जमीन पर अपना दावा कर रहे हैं या जो इसके सार्वजनिक उपयोग की उम्मीद कर रहे थे। स्थानीय लोगों और विपक्षी दलों का कहना है कि नगर पालिका के तत्कालीन सीएमओ मंशाराम निगवाल की मिलीभगत के बिना इस तरह का आवंटन संभव नहीं है। इस अनियमितता का खुलासा होते ही नगर पालिका पार्षदों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधायक सुरेंद्र पटवा के 74 बंगाल स्थित निवास पहुंचकर श्रीमती फूल कुंवर जी पटवा के 95 वें जन्म दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सभी अधिकारी तत्परता से वर्षा जनित आपदाओं से निपटने की करें तैयारी: कलेक्टर

एसडीएम, तहसीलदार एवं निर्माण विभागों से जुड़े अधिकारी रहें अलर्ट मोड पर

दीनबन्धु, अनूपपुर
dinbandhunews.com

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनूपपुर जिले में वर्तमान वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए संभावित आपदा की स्थिति से निपटने हेतु अधिकारियों को सतर्क और सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार तथा निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी पूरी तत्परता और सजगता के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेषकर जिले की पुल-पुलिया, रपटा और नदी-नालों की निगरानी की जाए तथा जल बहाव वाले स्थलों को चिन्हित कर दोनों ओर सुरक्षा के समुचित उपाय किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्य में पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, अतः आवश्यकतानुसार उनकी ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने आपदा संभावित क्षेत्रों में पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने, राहत सामग्री व संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से शीघ्र निपटने हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कापोर्रेशन, जल संसाधन विभाग सहित अन्य निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वर्षा ऋतु के दृष्टिगत सतर्कता बरतें एवं अपने-अपने विभागों द्वारा निर्मित पुल-पुलिया, रपटे एवं जल संरचनाओं का तत्काल निरीक्षण कर लें। कलेक्टर ने कहा कि विगत दिनों हुई वर्षा के कारण यदि कहीं कोई संरचना क्षतिग्रस्त हुई है तो उसकी शीघ्र मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। संबंधित निर्माण एजेंसियां अलर्ट मोड पर कार्य करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने निर्देशित किया कि संभावित आपदा की रोकथाम हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित कर ली जाएं। कलेक्टर श्री पंचोली ने वर्षा जनित आपदाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुआवजा प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को मुआवजा राशि तत्काल प्रदाय की जाए। उन्होंने अधीक्षक भू-अभिलेख को निर्देशित किया कि गूगल ड्राइव के माध्यम से ग्रामवार आकाशीय बिजली, मकान क्षति, पुल-पुलिया क्षति, हाथी जनित हानि, सर्पदंश आदि के प्रकरणों की जानकारी संबंधित पटवारियों से प्राप्त कर शीघ्र प्रतिवेदन तैयार कराएं। उक्त प्रतिवेदनों के आधार पर त्वरित राहत सहायता राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में वर्षा जनित आपदाओं से संभावित प्रभावित ग्रामीणों के लिए अस्थायी आश्रय स्थल (शेल्टर होम) की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में इन शेल्टर होम्स के माध्यम से आवश्यकतानुसार प्रभावितों को त्वरित राहत प्रदान की जाए। साथ ही, उन्होंने खाद्य विभाग को निर्देशित किया कि शेल्टर होम्स में निवासरत व्यक्तियों को समुचित राशन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराई जाए, जिससे आपदा की घड़ी में किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें तथा समाधान की प्रक्रिया में स्वयं शिकायतकर्ता से दूरभाष पर संपर्क कर उनकी संतुष्टि प्राप्त करें। कलेक्टर ने कहा कि केवल प्रकरण बंद करना पर्याप्त नहीं है, अपितु संतोषजनक समाधान के साथ शिकायतकर्ता की सहमति सुनिश्चित करते हुए ही सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों से यूरिया, डीएपी एवं एनपीके सहित अन्य उर्वरकों की उपलब्धता की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले के समस्त कृषकों को निर्धारित मात्रा में उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि उनकी कृषि गतिविधियों में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उर्वरकों के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही तत्काल प्रभाव से की जाए। बैठक के दौरान विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की।

शासकीय आईटीआई सेगांव में विशेष स्वास्थ्य सत्र का हुआ आयोजन

खरगोन हरीश कुमरावत। शासकीय आई टी आई सेगांव में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों के लिए 07 जुलाई को स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेगांव पर पदस्थ एनएमए पप्पू यादव ने बताया कि स्वास्थ्य ही धन हैं के साथ शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि नियमित व्यायाम, सुव्यस्थित खानपान, तनावमुक्त जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस स्वास्थ्य सत्र में कुष्ठ रोग से संबंधित जानकारी भी दी गई और समस्त प्रशिक्षणार्थियों से अपील की गई कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर हल्के रंग के दाग होने पर जिसमें सुन्नपन हो, सूखापन हो तुरन्त शासकीय अस्पताल में जांच कराए। कुष्ठ रोग एक सामान्य रोग हैं, जो नियमित दवाई खाने से पूरी तरह ठीक हो जाता हैं। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सुनील क्षेत्रे, प्रशिक्षक गिरीश चौहान, ग्रेसी सोनवे, सूरज साहू एवं कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील चौहान उपस्थित थे।

नागद्वारी मेले के मार्गों एवं अन्य व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

19 से 29 जुलाई तक चलेगा नागद्वारी मेला

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले का सुप्रसिद्ध नागद्वारी मेला प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नाग पंचमी पर पचमढ़ी में आयोजित किया जाएगा। नागद्वारी मेला 19 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित होगा। कलेक्टर सोनिया मीना के निदेर्शानुसार सीईओ सोजान सिंह रावत द्वारा संयुक्त विभागीय अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं बनाऐ जाने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एस डी एम इटारसी श्री टी प्रतीक राव, एसडीएम पिपरिया श्रीमती अनिशा श्रीवास्तव, तहसीलदार श्री वैभव वैरागी, पीडब्लूड़ी से श्री कैलाश गुर्दे, पीएचई, एमपीईबी, साडा, कैंट, होमगार्ड, पुलिस एवं अन्य अधिकारी निरीक्षण में साथ रहे। एसडीएम अनिशा श्रीवास्तव ने मेला ट्रैक की सीढ़िया रेलिंग और मार्गों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया। वहीं श्रद्धालुओं के पेय जल व्यवस्था बनाने की पीएचई विभाग को भी निर्देशित किया। पेयजल पाइप लाइन को लेकर चर्चा की गई। नागद्वारी मेले के लिए अधिकारियों द्वारा मार्गों से होकर पैदल तय किया गया साथ ही श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों एवं आवश्यकताओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान ही संबंधित सभी अधिकारियों को प्रक्रियाधीन कार्यों की समीक्षा कर शीघ्र ही समस?त कार्यों को करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सुनिश्चित किया गया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को पेयजल की सम्पूर्ण व्यवस्था रहे ताकि श्रद्धालुओं को चट्टानों दुर्गम मार्ग पर आसानी से पेयजल मिल सके। एसडीएम श्रीमती अनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि हर वर्षानुसार इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। मेला संचालन के लिए मेला ट्रैक पर बनाए जाने वाले सभी चेक पॉइंट्स का निरीक्षण भी किया गया। मेले के दौरान यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए ड्यूटी चार्ट तैयार किया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु पुलिस दल भी लगाया जाएगा।

प्रशांत कुमार एमच्योर डॉजबाल एसोसियशन जिला रायसेन का सचिव नियुक्त किया

मंडीदीप। सचिव, एमच्योर डॉजबाल एसोसियशन मध्य प्रदेश प्रवीण सांगते द्वारा प्रशांत कुमार को खेलों के प्रति जागरूकता को देखते हुये एमच्योर डॉजबाल एसोसियशन जिला रायसेन का सचिव नियुक्त किया गया है। जिला रायसेन डॉज बॉल एसोसिएशन का सचिव बनने पर मंडीदीप नगर के वरिष्ठ समाज सेवी श्री जगदीश सोनी जी,, श्री अजित सिंह चौहान(छुट्टी पाल) श्री पवन श्रीवास्तव जी खेल प्रेमी श्री जीवन सिंह पाल जी, एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन जिला रायसेन के सचिव श्री कपिलदेव सिंह चौहान जी, निसार सर, वी जे स्पोर्ट क्लब के अध्यक्ष रिजवान अली, खेल प्रशिक्षक विराट मिश्रा ने अपनी शुभ कामनाए प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

एक राष्ट्र-एक चुनाव लोकतंत्र की मजबूती की ओर ऐतिहासिक पहलः राज्यमंत्री टेटवाल

सेवा सदन कार्यालय में पहुंचे इंदौर महापौर का किया स्वागत

सारंगपुर। सारंगपुर विस क्षेत्र में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर संगोष्ठी में शामिल होने पहुंचे इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव स्थानीय सेवा सदन कार्यालय में पहुंचे जहां उनका स्वागत राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, भाजपा नेता निर्मल जैन ने किया। इस दौरान महापौर भार्गव ने कहा कि अलग-अलग चुनावों से प्रशासन और आमजन का कामकाज प्रभावित होता है। पिछले 5 वर्षों में चुनावों पर 6.5 लाख करोड रुपए खर्च हुए। एक साथ चुनाव होने से यह खर्च डेढ लाख करोड तक सीमित हो सकता है। इस मौके पर राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल न केवल समय और संसाधनों की बचत करेगी, बल्कि देश के विकास पथ को भी गति देगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएगी। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों व कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस विचार को गांव-गांव, गली-गली तक पहुँचाएं और जनजागृति में योगदान दें। सभी मिलकर एक सशक्त, सक्षम और विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बनें। महापौर ने नागरिकों से इस विषय पर चर्चा करने और राष्ट्रपति को समर्थन पत्र भेजने की अपील की।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करने निर्देश दिए

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

हरीश कुमरावत। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने 07 जुलाई को टीएल बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, सहायक कलेक्टर श्री जामदार फरहान इरफान, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जबकि समस्त एसडीएम, जनपद सीईओ तहसीलदार वीसी के माध्यम से जुड़े थे। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि किसानों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए और प्रत्येक शनिवार तक इसकी प्रगति रिपोर्ट एडीएम को देंगे। उन्होंने निर्माण कार्यों में आ रही भूमि संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को वन विभाग के डीएफओ के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी समस्याओं का समय रहते निराकरण कर निर्माण कार्यों को गति दी जाए। बैठक में संमस्त सबंधित विभागों को पीआईयू द्वारा निर्मित भवनों शीघ्र हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि मूंग खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन समय पर किया जाए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कहा कि कोई भी शिकायत बिना अटेंड किए नहीं रहनी चाहिए। नगरीय निकायों को भी निर्देशित किया गया कि सभी शिकायतों का समय पर निराकरण करें। पूर्व में नॉट अटेंड शिकायतों के लिए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे और असंतोषजनक उत्तर देने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने आईटीआई प्राचार्यों को निर्देशित किया कि जनजातीय कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिलाएं, जिससे शत-प्रतिशत एडमिशन का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बैठक में सभी विभागों को निर्देश दिए गए कि गोपनीय चरित्रावली का कार्य प्राथमिकता से समय पर पूर्ण किया जाए, ताकि पदोन्नति के समय किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने नगरीय निकायों को ई-केवाईसी के कार्य को गंभीरता से करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद खरगोन जिला खरगोन (म.प्र.)

दूरभाष (कोड-07282) 231333 फेक्स-21333-E-Mail: cmokhargone@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक 720/ MCK/ई-टेंडर/2025 खरगोन, दिनांक 02-04-2025

षष्ठ निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

कं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा अंतिम तिथि
1	2025_UAD 435275_1 Date-07/07/2025	नगर पालिका परिषद खरगोन को शहर में घुम रहे आवारा कुत्तो के बंधियाकरण एवं टीकाकरण कार्य 01 वर्ष अवधि के लिये कराये जाने के संबंध में।	1. 12 माह 2. 25.00 लाख	1.5000/- 2.18750/-	14/07/25 5.30 PM

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/ की वेवसाईट पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष न.पा. परिषद, खरगोन

(भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष न.पा. परिषद, खरगोन

(श्रीमति कविता अरविंद पाटीदार) सभापति स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन न.पा. परिषद, खरगोन

(सुश्री कमला कोल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी न.पा. परिषद, खरगोन

भोजपुर महादेव मंदिर परिसर में सुहाने मौसम का महिलाओं ने उठाया लुफ्त

भोपाल ।भोजपुर महादेव मंदिर में भगवान भोले का श्रृंगार कर की पूजा अर्चना और बारिश में एक पेड़ मां के नाम रोपित किया और ग्रुप में काटा लगे न कंकर फिल्म के गाने की तर्ज पर सामूहिक गान कर गिरते पानी में नृत्य किया और सुहाने मौसम का कादम्बिनी ग्रुप की महिलाओं ने लुफ्त उठाया ।ग्रुप में विनीता अहिरवार, श्वेता मिश्रा, सलोनी चौकसे, संगीता, निधि , कादम्बिनी शर्माऔर रेखा कुशवाह शामिल थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने खजराना गणेश मंदिर में की पूजन अर्चना

इंदौर ।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने सोमवार को इंदौर के खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया एवं प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट, संभाग प्रभारी राघवेन्द्र गौतम, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, विधायक मधु वर्मा, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड, महेंद्र हार्डिया, सुश्री उषा ठाकुर, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, जिला अध्यक्ष सुमित मिश्रा, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रवण चाव ?ा एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी दीपक जैन उपस्थित रहे।

माननीयों को कुछ प्रमुख पदों पर ही दी जाएगी नियुक्ति

मप्र भाजपा की नई कार्यकारिणी में होंगे नए चेहरे

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के बाद नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर मंथन शुरू हो गया है। जिसको लेकर नेताओं ने लॉबिंग शुरू कर दी है। जानकारों का कहना है कि भाजपा की नई कार्यकारिणी में अधिकांश नए चेहरों को जगह दी जाएगी। कार्यकारिणी में सांसदों और विधायकों की संख्या सीमित रखी जाएगी। दरअसल, पार्टी नया नेतृत्व तैयार करना चाहती है। इसके लिए प्रदेश कार्यकारिणी में नए नेताओं को जगह दी जाएगी। कहा जा रहा है कि जल्द ही नई कार्यकारिणी का खाका

तैयार किया जाएगा और पार्टी हाईकमान की मंजूरी के बाद अगले माह कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी। गौरतलब है कि मप्र भाजपा को लंबे इंतजार के बाद नया अध्यक्ष मिल गया है। अब जल्द ही प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी में भी बदलाव होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अगले दो-तीन दिन में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलने दिल्ली जा सकते हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी का गठन होगा। मोर्चा अध्यक्षों को भी बदला जाएगा। प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी में इस बार सांसद और विधायकों की संख्या घट सकती है। भाजपा सूत्रों की मानें तो इस बार भाजपा के सदस्यता अभियान में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले भाजपा नेता और पुराने कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में स्थान दिया जाएगा। भाजपा ने सदस्यता अभियान का पूरा डेटा तैयार किया है। इस डेटा के हिसाब से सदस्यता अभियान में जुटे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

पार्टी का फोकस संगठन को मजबूत करने पर

पार्टी का पूरा फोकस संगठन की मजबूती पर है। इसके लिए कार्यकारिणी में पार्टी के सीनियर और अनुभवी नेताओं को शामिल करके फेरबदल किया जाएगा। इस बार युवा और नए चेहरों को भी कार्यकारिणी में जगह मिलने की संभावना है जिनकी कार्यप्रणाली से पार्टी खुश है। जबकि पहले रहे कुछ पदाधिकारियों की छुट्टी होना भी तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले जिला अध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। इस बार पार्टी ने सभी जिला अध्यक्ष के लिए नए चेहरों को मौका दिया है। इसलिए ही कयास लगाए जा रहे है कि प्रदेश कार्यकारिणी में भी ऐसा देखा जा सकता है। जबकि पूर्व जिला अध्यक्षों को भी पार्टी ने अभी नई जिम्मेवारी नहीं दी है। इसके अलावा कई और नेता भी है जो कि नए रोल का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष 15, प्रदेश महामंत्री 05, प्रदेश मंत्री 14, प्रदेश प्रवक्ता 19, पैनलिस्ट 05, मोर्चा अध्यक्ष 07, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य 203, स्थाई आमंत्रित सदस्य 22 और विशेष आमंत्रित सदस्य 237 हैं। इस तरह नई कार्यकारिणी का स्वरूप भी ऐसा ही होगा।

60 फीसदी पदाधिकारियों को बदला जाएगा

इस बार कार्यकारिणी में सांसदों और विधायकों की संख्या सीमित रखने की बात हो रही है। अभी भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में 15 प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इनमें सांसद संध्या राय, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मिक, आलोक शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, जीतू जिराती, बहादुर सिंह चौहान, बृजराज सिंह चौहान और वर्तमान विधायक चिंतामणि मालवीय, ललिता यादव शामिल हैं। वहीं कार्यकारिणी में अभी पांच महामंत्री हैं, जिनमें रणवीर सिंह रावत, खरगापुर से विधायक और पूर्व मंत्री हरिशंकर खटीक, पूर्व विधायक सरदेंदु तिवारी, वर्तमान विधायक भगवान दास सबनानी और राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार शामिल हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी में 14 प्रदेश मंत्री हैं। इसमें भाजपा के पुराने कार्यकर्ता और पूर्व विधायक शामिल हैं। इनमें से कार्यकारिणी के 60 फीसदी पदाधिकारियों को बदला जा सकता है। इनके स्थान पर नए विधायकों और भाजपा के कार्यकर्ताओं को नई कार्यकारिणी में स्थान मिलेगा।

जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल

प्रदेश कार्यकारिणी को संतुलित बनाया जाएगा। इसके लिए हमेशा की तरह इस बार भी प्रदेश कार्यकारिणी में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल रखा जाएगा। इसके अलावा दूसरा मसला उम्र के क्राइटेरिया का है। भाजपा भले ही कहे कि उसने पदाधिकारियों के लिए उम्र का कोई क्राइटेरिया तय नहीं किया है पर जिलाध्यक्षों के चयन में अधिकांश जिलों में साठ साल के कम उम्र के कार्यकर्ताओं को ही वरीयता दी गई है। प्रदेश कार्यकारिणी में प्रमुख पदों पर भी युवाओं का भी प्रतिनिधित्व रहे, इसका ख्याल रखा जाएगा। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस से कई बड़े-छोटे नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। इनमें कुछ तो पार्टी में घुल-मिल गए, तो कुछ अभी भी अलग-थलग हैं। कोई दायित्व नहीं मिलने पर वे उलझन में हैं। पुराने भाजपाई उन्हें आज भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। कारण, उनके आने से भाजपा के कई नेता हाशिए पर आ गए। ऐसे में पुराने नेताओं को साधे रखने और कांग्रेस से आने वालों की अपेक्षाओं का भी ध्यान रखा जाएगा। इन्हें प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर मोर्चा, प्रकोष्ठों में एडजस्ट किया जा सकता है।

गाइडलाइन के अनुसार बनेगी जिला कार्यकारिणी

नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद अब जिलों की कार्यकारिणी का गठन नई गाइडलाइन के अनुसार होगा। जिला स्तर पर कार्यकारिणी में 40 फीसदी पदाधिकारी नए नियुक्त किए जाएंगे। एसटी, एससी महिलाओं को भी टीम में जगह दी जाएगी। मप्र में भाजपा की जिला अध्यक्षों का चयन पांच महीने पहले हो चुका है।

बाढग्रस्त पुलिया पार करना पड़ा भारी, दो बच्चों, पत्नी समेत पति का शव बरामद

अनूपपुर-अमरकंटक मार्ग मे दर्दनाक हादसा ,कार समेत चार बहे

मनीष शुक्ला ■ अनूपपुर
www.dinbandhunews.com

रविवार की देर शाम लगभग 8 बजे अनूपपुर - अमरकंटक मार्ग में जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर किरर टोल प्लाजा से ठीक पहले भारी बारिश के चलते सजहा नाला में एक स्विफ्ट कार बह गयी । जिसमें दो बच्चो सहित चार लोग बह गये । जिला चिकित्सालय अनूपपुर मे पदस्थ नर्स श्रीमती प्रीति यादव अपने पति श्री चंद्रशेखर यादव और दो बच्चों के साथ अनूपपुर की ओर वापस आ रही थीं। कार उनके पति चला रहे थे। कार बहने की सूचना मिलते ही जिला मुख्यालय मे हडकंप मच गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के साथ अनूपपुर पुलिस ,प्रशासन, स्ठत्रत्न की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू की कोशिश शुरु की गयी ।

अनूपपुर जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर अमरकंटक रोड पर सजहा नाले में एक कार रात में बह गई। कार में पति-पत्नी और दो बच्चे सवार थे। जिसे एसईसीएल कर्मी 38 वर्षीय चंद्रशेखर यादव चला रहें थे। कार में पत्नी 37 वर्षीय प्रीति यादव, 8 वर्षीय बेटा रेयांश और बेटी 2 वर्षीय सीबी की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को चारों के शव बरामद कर लिए हैं।

चार शव देख गमगीन हुए लोग

रविवार की देर रात प्रीति की और सोमवार को कडी मशक्कत के बाद चन्द्रशेखर और उनके दोनो बच्चों का शव तलाश कर जिला अस्पताल लाया

गया। मध्यप्रदेश शासन के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिलीप जायसवाल, कोलविकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, भाजपा नेता मनोज द्विवेदी, प्रेमचंद यादव,अजय सराफ सहित अन्य लोग जिला चिकित्सालय पहुंचे। एक साथ चार शव देखकर लोग गमगीन हो गये। मंत्री ने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी और आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ है।

लोग मना करते रहे,बाढ मे उतार दी कार

अनूपपुर निवासी चंद्रशेखर यादव अपनी पत्नी प्रीति और दो बच्चों के साथ रविवार को अमरकंटक गए थे। प्रीति यादव जिला चिकित्सालय में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। प्रीति का शव रविवार को घटनास्थल से 5 किमी दूर मिला था। जबकि पति और दो बच्चों के शव सोमवार को 9 किमी के दायरे में मिले।

प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार पुल पर पानी बहुत था। एक बस चालक ने बस पुलिया मे उतार दी तो उसे आगे बढता देख लोगों के मना करने के बाद भी चंद्रशेखर नहीं माने। जैसे ही उन्होंने कार पानी मे उतारा ,गाडी तेज बहाव में बह गयी।

नाराज कलेक्टर ने की कार्यवाही

जानकारी अनुसार सोमवार की समय सीमा बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कडी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने ग्राम औढ़ेरा के पटवारी संजीव सिंह, पंचायत सचिव कल्याण सिंह एवं रोजगार सहायक पर कार्यवाही करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत को दिये हैं। परिवार को ढाढस बधाने के लिए मध्य प्रदेश कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। दिलीप जायसवाल ने पीड़ति परिवारों को विधायक निधि से 25 ,25 हजार रुपए देने की घोषणा की हैं।

पौधे फंसने की वजह से पानी सड़क पर आया

जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि शाम करीब 6 बजे पुलिया में पानी ऊपर तक आ गया था। पुलिया में पेड़-पौधे फंसने की वजह से पानी सड़क पर आया। पानी का बहाव इतना तेज था कि हमें घर से सामान निकालने का मौका नहीं मिला। घर का दरवाजा लगाकर पास ही स्थित एक पक्के मकान की छत पर चढ़ गए। इसी दौरान हमने ये हादसा देखा।

प्रशासन के निर्देशों की अनदेखी पडी भारी

जानकारी अनुसार चंद्रशेखर यादव मूल रूप से बाबा कालोली बदरा के रहने वाले थे। वह सोहागपुर एसईसीएल में फोरमैन के पद पर कार्य करते थे। रविवार छुट्टी का दिन था, इसलिए परिवार के साथ अमरकंटक घूमने गए थे। हादसा रात करीब 7 बजे हुआ। वापसी के दौरान जब सजहा पुल पर पानी का बहाव तेज था। दोनों तरफ कई वाहन रुके थे। लोगों ने चंद्रशेखर को भी पुल पार न करने की सलाह दी, लेकिन एक बस के पुल पार करने के बाद चंद्रशेखर ने भी हिम्मत कर कार आगे बढ़ाई। इसी दौरान पुल का एक हिस्सा टूट गया और तेज बहाव में कार बह गई। पुलिस ने सोमवार दोपहर चंद्रशेखर और उनके दो बच्चों का शव बरामद किया। ज्ञात हो कि रविवार देर रात पत्नी प्रीति का शव मिल चुका था। ज्ञात हो कि जिले में तीन दिनों से भारी बरसात के कारण नदी लाने ऊान पर हैं।

पुल पार करने से लोगो ने किया था मना

प्रत्यक्षदर्शी जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि पुलिया में पानी ज्यादा होने के कारण पहले एक कार आई, जिसे आसपास के लोगों ने निकाल लिया था। उसके थोड़ी देर बाद एक बस निकली। बस के पीछे ही चंद्रशेखर यादव कार सवार अपने परिवार के साथ तेज बहाव में पुलिया पार करने लगे। पास ही स्थित वेयरहाउस के कर्मचारी उन्हें पुलिया पार करने के लिए बार-बार मना कर रहे थे।

पीएसएससीआईवीई ने मनाया 32वां स्थापना दिवस

कृषि, पर्यटन और कौशल विकास में व्यावसायिक शिक्षा की बढ़ती भूमिका पर हुई चर्चा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल ने सोमवार को अपने 32वें स्थापना दिवस का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। श्यामला हिल्स स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस समारोह में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। यह संस्थान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख इकाई है, जिसकी स्थापना 5 जुलाई 1993 को देश में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस?थान के संयुक्त निदेशक डॉ. दीपक पालीवाल ने संस्थान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए यह दोहराया कि वर्ष 2030 तक देश में 50त्न स्कूली छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कौशल-आधारित शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन, विशेष क्षेत्रों के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विकास तथा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, प्रो. विनय स्वरूप मेहरोत्रा ने वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए जागरुकता अभियानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध परियोजनाओं और विस्तार गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. गुप्ता, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने वर्तमान दौर की कौशल चुनौतियों, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र के बदलते स्वरूप, महिलाओं और सूक्ष्म उद्यमियों के लिए उभरते अवसरों और प्रभावी प्रस्तुति कौशल की महत्ता पर प्रकाश डाला।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुदनी के निदेशक डॉ. बीएम नंदेड़े ने कृषि क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी और कोलैबोरेशन जैसे 21वीं सदी के कौशल अत्यंत आवश्यक हैं।

पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाएं : मंत्री पटेल

भोपाल । पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभाग द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर, रीचार्ज पिट लक्ष्य से अधिक बनाये गये। अभियान में किये गये कार्यों के परिणाम आगामी वर्षों में परिलक्षित होंगे। मंत्री पटेल ने कहा कि ब?ी नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिये छोटी नदियों के उद्गम स्त्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। मंत्री पटेल सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद कार्यकारणी की 7वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।मंत्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने के लिये विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य हमें सतत् जारी रखना है। भविष्य में पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाये। मंत्री पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों से पौधरोपण एवं संरक्षण के लिये ÷मां की बगिया÷ योजना 15 अगस्त से लागू की जा रही है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन में महत्वपूर्ण कारक बनेगी। 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चिन्हित शासकीय भूमि पर एवं 15 अगस्त से 15 सितंबर पर निजी भूमि पर सघन पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान में सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे यह प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

मंत्री पटेल ने कहा कि संविदा अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन सेवा शर्तों में आकस्मिक मृत्यु/दुर्घटना के समय सहायता राशि प्रदान करने के प्रावधानों का समावेश करें। इस संबंध में सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग के नियमों का पालन किया जाए। आयुक्त मनरेगा, अविप्रसाद ने मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी कार्यकारणी परिषद की 6वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में मनरेगा की भौतिक और वित्तीय प्रगति संविदा कर्मचारियों/ अधिकारियों की नवीन सेवा शर्तों, ग्राम रोजगार सहायकों की सेवा शर्तों, विषय विशेषज्ञों की सेवाएं लेने, यंग प्रोफेशनल्स को संबद्ध करने, मनरेगा में ड्रोन तकनीक का उपयोग करने, भारत सरकार को भेजे गये प्रस्ताव आदि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री पटेल ने कहा कि गौशालाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं (एनजीओ) स्टार्टअप्स को बड़ावा दिया जाये। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत बनने वाली सड़कों की मरम्मत करने के लिये समय-सीमा तय की जाये। उन्होंने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान के अंतर्गत किये गयें कार्यों का प्रभाव आंकलन 3 वर्ष उपरांत कराया जाये। इसके लिये बेस डेटा एवं एजेंसी अभी से तय की जाये। उन्होंने कहा कि सिपरी सॉफ्टवेयर के उपयोग के संबंध में अन्य विभागों, संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं को सिपरी का एक्सेस उपलब्ध कराने के लिये विस्तृत नीति शीघ्र तय की जाये। मंत्री पटेल ने मनरेगा योजना अंतर्गत पदस्थ अमले के लिये विभिन्न प्रकार का बीमा लाभ, वित्तीय एवं प्रशासकीय अधिकारों का प्रत्यायोजन, जीआरएस के रिक्त पदों की पूर्ति, संविदा अधिकारी-कर्मचारी और जीआरएस की विदेश यात्रा संबंधित प्रकरणों आदि विषयों की समीक्षा की।

भोपाल में 23 जुलाई से 35 बसों पर लगेगा ब्रेक

इस बार रक्षाबंधन पर सिटी बसों में फ्री सफर नहीं कर पाएंगी बहने

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल में लगातार सिटी बसें बंद हो रही है। यहां केवल 6 रूटों पर बस चल रही हैं। इसी महीने 35 और बसें बंद हो जाएंगी जिससे आने वाले रक्षाबंधन पर बहने फ्री में यात्रा नहीं कर पाएंगी। हर वर्ष रक्षाबंधन के दिन भोपाल सिटी में बहनों को फ्री यात्रा कराई जाती है। राजधानी भोपाल में लगातार सिटी बसें बंद हो रही है। जिससे शहर के रहवासियों की परेशानी बढ़ गई हैं। यहां 24 रूटों से घटकर केवल 6 रूटों पर बस चल रही हैं, और इसी महीने 23 जुलाई से 35 और बसें बंद हो जाएंगी जिससे आने वाले रक्षाबंधन पर बहने फ्री में यात्रा नहीं कर पाएंगी। दरअसल हर वर्ष रक्षाबंधन के दिन नगर निगम की तरफ से बहनों को सिटी में फ्री यात्रा कराई जाती है, लेकिन इस वर्ष लगभग सभी बसें बंद हो जाएंगी, जिससे वह यात्रा नहीं कर पाएंगी।

पूरी तरह हटने जा रही हैं सिटी बसें

जानकारी के लिए बता दें कि भोपाल में सिटी बसें पूरी तरह हटने जा रही हैं। इसकी शुरूआत 23 जुलाई से हो जाएगी। बीसीएलएल के मुताबिक वर्तमान में चल रहे रूट के ऑपरेटर

से अनुबंध खत्म हो रहा है। अब तक इसे आगे भी नहीं बढ़ाया गया है, इसलिए बसें बंद हो जाएंगी। इस महीने में 23 जुलाई को लगभग 35 बसें पूरी तरह बंद हो जाएंगी। वहीं दूसरे ऑपरेटर का अनुबंध अगस्त में खत्म हो रहा है।

अभी इन 6 रूटों में चल रहीं सीटी बसें

इस समय शहर के अलग-अलग इलाकों में 6 रूट पर ही बसें मिल रही है। यह रूट एसआर-2 नीलबड़, नेहरू नगर से कृष्णा हाईट्स कटारा हिल्स, एसआर-4 करोद चौराहा से बैरागढ़ चीचली, एसआर-5 चिरायु अस्पताल से अवधपुरी, टीआर-4बी गांधी नगर से वर्धमान, मिडी बस रूट 413 नीलबढ़ से ट्रांसपोर्ट नगर कोकता और टीआर-4 चिरायु अस्पताल से रानी कमलापति स्टेशन तक ही चालू हैं। बतादें कि पहले 24 रूट पर 368 बसों का संचालन हो रहा था लेकिन अब जल्द ही यह सभी रूट बंद हो जाएंगे।

ई-बसों के लिए 4 माह इंतजार

राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 6 शहरों में ई-बसों का संचालन किया जाएगा। इसकी तैयार तेजी से चल रही है लिकिन अभी शहरवासियों को करीब 4 महीने और इंतजार करना पड़ सकता है। भोपाल में ई-बसों के संचालन को दो साल पहले मंजूरी मिल चुकी है। लगभग 100 बसों का संचालन होना है। पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि यह बसे जुलाई तक भोपाल आ जाएंगी लेकिन अब तक बसों की डिलेवरी के लिए कोई सूचना नहीं आई। बताया जाता है कि नवबंर तक यह बसे मिल जाएंगी

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578